आषाढ़ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 345 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

12 जून 2025 गुरुवार

आज का मौसम

36 अधिकतम

20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

कागजों में मजबूत मेंटेनेंस के दावे, हवा-पानी फिर उड़ा ले गए !

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पूरे बारह महीने बिजली लाइन के मेंटेनेंस का दावा करने वाला बिजली महकमा (बिजली कंपनी) बीती रात फिर बुरी तरह नाकाम साबित हो गया। हालांकि यह पहली बार नहीं है,बल्कि हर बार बारिश या आंधी पानी की आहट भर से राजधानी की बस्तियों बाजारों में बिजली गुल होने लगती है। बीती रात भी साढ़े नौ बजे के आसपास से यह दृश्य फिर दोहराये जाने लगे। नये पुराने भोपाल की पचास से ज्यादा बस्तियों में दो घंटे अंधेरा रहा। शिवाजी नगर, तुलसी नगर, चार इमली जैसी सरकारी कालोनियों के साथ ही एमपी नगर व दर्जनों निजी कॉलोनियां अंधेरे में डूबी रहीं। शाहपुरा इलाके में मनीषा मार्केट में ट्रैफिक कम्युनिकेशन का टॉवर बिजली के फीडर पर ही गिर गया, तो चार इमली में बिजली लाइन पर एक बड़ा पेड़ गिरा। बिजली बदहाली का के शिकार पुराने शहर के ईदगाह हिल्स समेत आसपास के कई इलाके भी रहे। बिजली कंपनी के अफसरों ने भी शाहपुरा में ट्रैफिक कम्युनिकेशन टावर बिजली फीडर पर गिरने की पुष्टि की है। हाइड्रोलिक मशीन से टॉवर हटवाया गया। इस दौरान शाहपुरा ए सेक्टर और बी सेक्टर में बिजली सप्लाई बाधित रही। अरेरा कॉलोनी में ओल्ड कैंपियन स्कूल के पास और पुराने शहर के जनता क्वार्टर इलाके में भी पेड़ गिरे।

राजधानी की बिजली बदहाली फिर उजागर

सिर्फ रस्मी बिजली सुधार ?

दरअसल नागरिकों का आक्रोश यह है कि बिजली महकमा पूरे साल घोषित तौर पर बिजली कटौती करता है, यह कटौती दो घंटे से लेकर सात घंटे तक भी हो जाती है। तुर्रा यह कि राजधानी की बिजली लाइनें दुरुस्त रखने तथा बिजली सप्लाई निर्बाध रखने के लिए यह सब किया जाता है लेकिन हकीकत बार बार सामने आती है। बताया जाता है कि इस मेंटेनेंस पर हर साल बहुत बड़ी राशि खर्च की जाती है और सैकड़ों कर्मचारियों व ठेका कर्मियों की ड्यूटी रहती है।

मेघालय पुलिस इंदौर के राजा हत्याकांड की कड़ियां जोड़ने में जुटी

प्यार में दरार.. आंखे चुरा रहे, पूछताछ में एक-दूसरे को मास्टरमाइंड बता रहे

शिलांग/इंदौर,एजेंसी

महज तीन दिन में एक पुराना 'प्यार' बिखर रहा है। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी मर्डर केस की आरोपी उसकी पत्नी सोनम और कथित प्रेमी राज कुशवाह के बीच दरार आना शुरू हो गई है। पुलिस शिकंजे में आने के बाद अब दोनों एक-दूसरे को राजा की हत्या का मास्टरमाइंड बता रहे हैं। मेघालय के ईस्टर्न रेंज के डीआईजी डेविस एनआर मारक ने कहा- दोनों में से कौन मास्टरमाइंड है? इसका खुलासा तब होगा, जब उनका आमना-सामना कराया जाएगा। अभी उनसे अलग-अलग पूछताछ हो रही है। इससे पहले कल सोनम समेत पांचों आरोपियों को शिलॉन्ग में कोर्ट के सामने पेश किया गया तो कोर्ट ने सभी को 8 दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा। बताया जाता है कि अब तक पुलिस इनसे अलग-अलग कमरों में पूछताछ कर रही है। इनके बयान दर्ज होने के बाद वेरिफाई करने के लिए आरोपियों का आमना-सामना कराया जाएगा।

खबरों के मुताबिक सोनम और राजा समेत पांचों आरोपियों से मेघालय पुलिस टुकड़ों-टुकड़ों में पूछताछ कर चुकी है। डीआईजी मारक के मुताबिक अब तक सभी ने हत्या में शामिल होने की बात कबूल की है। मगर जहां तक मास्टरमाइंड की बात है तो सोनम ने बताया कि राज के कहने पर उसने पति राजा का मर्डर किया, जबकि

हवालात में सोनम के साथी।

राज का कहना है कि सोनम ने ही हत्या की पूरी प्लानिंग की थी। शिलॉन्ग पुलिस ने कहा है कि सोनम के पास हनीमून के दौरान 4 मोबाइल फोन थे। इनमें से केवल एक ही बरामद हुआ, बाकी सोनम ने ठिकाने लगा दिए हैं। अब पूछताछ के दौरान सोनम से बाकी तीन फोन के बारे में जानकारी हासिल की जाएगी। फिर इनका डेटा रिकवर करने की कोशिश होगी। ये फोन इस पूरे हत्याकांड की कड़ियों को जोड़ने की अहम कड़ी व टेक्निकल सबूत हैं। इधर सोनम के प्रेमी राज की मां चुन्नी देवी अपने बेटे बचाव में दलील दे रही हैं। उनका कहना है कि मेरा बेटा मेहनती था, अपनी मेहनत से पैसा कमाने पर ध्यान देता था। सोनम ने उसे बहका दिया होगा राज किसी को मार नहीं सकता। चुन्नी देवी बेटे का बचाव करते हुए कहा कि सोनम को राज से उम्र में भी बड़ी थी, राज की बॉस थी, राज तो वहां नौकर था। जो सोनम कहती गई होगी राज उसे करता गया होगा।

मेघालय हनीमून मर्डर केस में एक और खुलासा हुआ है। नवविवाहिता सोनम अपने पति राजा को कामाख्या देवी के दर्शन के बहाने देकर गुवाहाटी (असम) तो ले गई, लेकिन मकसद हत्या था। मेघालय पुलिस को पता चला है कि कि सोनम राजा को गुवाहाटी से ट्रेकिंग के बहाने शिलांग तक ले गई क्योंकि राजा को ट्रेकिंग का शौक था। अब पुलिस को राजा की कामाख्या मंदिर में पूजा करते हुए तस्वीरें मिलीं, जो साजिश की शुरुआत का सबूत हैं। खास बात यह कि सोनम ने यह फोटो खींची, लेकिन खुद इसमें शामिल नहीं हुई। सिर्फ राजा ही फोटो में नजर आया.

कुदरत ने दी राजा को एक दिन की जिंदगी

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, राजा रघुवंशी की हत्या 23 मई को हुई, लेकिन सोनम ने अपने पति की मौत के लिए 22 मई का दिन मुकर्रर किया था। दरअसल, सोनम का प्लान था कि जिस दिन वे दोनों शिलॉन्ग पहुंचें, उसी दिन राजा को खत्म कर दिया जाए। प्लानिंग थी कि शिलॉन्ग में ज्यादा लोगों की नजर में आए बिना हत्या को चुपचाप अंजाम दे दिया जाए। हालांकि, 22 मई को शिलॉन्ग में बारिश हुई और अंधेरा छा गया। सोनम के प्लान पर पानी फिर गया और कुदरत की वजह से राजा को एक दिन की जिंदगी और मिल गई।

अमेरिकी सेना के जश्न में शामिल होंगे मुनीर, कांग्रेस भड़की

वाशिंगटन, एजेंसी

पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर अमेरिका दौरे पर पहुंचकर 14 जून को वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के जश्न व परेड समारोह में शामिल होंगे। इस दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का 79वां जन्मदिन भी है। मुनीर का पहला अमेरिकी दौरा 2023 में हुआ था, तब उन्होंने तत्कालीन अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन, तत्कालीन विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की थी। तब भारत ने कहा था कि पाकिस्तान की तरफ से आतंकवाद का समर्थन और क्रॉस-बॉर्डर हमलों को लेकर हमारी चिंताएं जगजाहिर हैं। उधर मुनीर के दौरे से पहले पाकिस्तान को लेकर अमेरिका के सुर भी बदले-बदले हैं। अमेरिका की सेंट्रल कमांड के प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला का कहना है कि अमेरिका को भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ रिश्ते बनाए रखने की जरूरत है। कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मजबूत सहयोगी बताया।

इधर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले से पहले भड़काऊ बयान देने वाले पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को अमेरिकी सेना दिवस पर शामिल होने के लिए बुलाना गंभीर चिंता का विषय और भारत की सामरिक विफलता का प्रतीक भी है। पार्टी ने कहा कि अमेरिका से इस तरह की खबरें आना हमारी कूटनीतिक स्थिति को असहज बनता है और मजबूत कूटनीति को इस तरह कमजोर होते देखना चिंता पैदा करता है इसलिए सरकार को इस मुद्दे पर तुरंत सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए।

सेवानंद की विचित्र कुमारी से शादी के चर्चे !

हमीरपुर, एजेंसी

उप्र के हमीरपुर जिले के छानी बांध गांव में अनोखा विवाह समारोह हुआ। इसमें सेवानंद की शादी विचित्र कुमारी के साथ हुई। केवल दुल्हन का नाम ही विचित्र नहीं था बल्कि यह शादी भी विचित्र थी क्योंकि इसमें वर-वधू कुत्ता और कुतिया थे। बारात बाकायदा गाजे-बाजे के साथ निकाली गई। इसमें 200 से अधिक लोग शामिल हुए। असल में सेवानंद महंत संतोषानंद का पालतू कुत्ता है। लिहाजा सेवानंद को दूल्हे की तरह सजाया गया। गांव के सभी देवी-देवताओं के स्थानों पर ले जाकर पान बताशा चढ़वा कर आशीर्वाद दिलाया गया। दुल्हन गोहांड क्षेत्र के मुशाई मौजा निवासी विचित्र कुमारी थी। समारोह में बड़ी संख्या में महिलाएं बन्ना गीत गाती हुई चल रही थीं। बकायदा बारात निकली व कार की आगे सीट पर दूल्हा और उनके साथ बाराती बैठे। आज गुरुवार को दुल्हन विचित्र कुमारी की विदाई होगी। शादी में 200 से अधिक लोग शामिल हुए।

देशभर में राजस्थान का पारा सबसे हाई

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में राजस्थान इस वक्त बहुत गर्म चल रहा है। यहां श्रीगंगानगर तप रहा है। सीजन का सबसे ज्यादा 48 डिग्री कल रिकॉर्ड हो चुका है आज भी यही हाल है। 6 साल पहले इस शहर का तापमान 49 दर्ज किया गया था। आज मौसम विभाग ने राजस्थान के 13 जिलों में और मप्र के ग्वालियर, चंबल-सागर संभाग के 12 जिलों में लू की चेतावनी दी है। यहां गर्मी बेहद तीखी रहेगी। भोपाल में देर रात तक पानी गिरने का बाद आज तेज उमस व धूप है। बिहार के सभी जिलों में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट है। दिल्ली में पारा 45 डिग्री पहुंचने के कारण रेड अलर्ट है।

किनारों से दूर धकेला गया धधकता जहाज, कई बचाव दल सक्रिय

तिरूवनंतपुरम, एजेंसी। केरल के तट पर अरब सागर में धधक रहे जहाज की आग अब तक काबू नहीं आई है। भारतीय तटरक्षक बल, भारतीय नौसेना और अन्य एजेंसियां सिंगापुर का झंडा लगे जहाज एमवी वान हाइ 503 की आग बुझाने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। हालांकि इस बीच आज आग बुझाने के प्रयासों के बीच एक बड़ी सफलता मिली है। भारतीय तटरक्षक बल के डाइवर्स और बचाव विशेषज्ञों की एक टीम जहाज पर चढ़ने में सफल हुई है। बचाव विशेषज्ञ टीम के प्रमुख जहाज से हालात पर नजर रखे हुए हैं। तटरक्षक बल के जहाज समुद्र प्रहरी और समर्थ आग बुझाने के काम में जुटे हैं।

मोहन यादव आज प्रोफेशनल्स की बीच

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव आज भाजपा के संकल्प से सिध्दि अभियान के तहत प्रोफेशनल्स मीट में शामिल होंगे। इससे पहले आज अपने निवास पर उन्होंने कुछ अफसरों से चर्चा की। इसके बाद सुशासन भवन में बैठक के लिये पहुंचे। वे विभागों के कामकाज की जानकारी ले रहे हैं। वे शाम को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन हाल में प्रोफेशनल्स मीट में हिस्सा लेंगे।

सीमांकन कराने पटवारी ने मांगे 30 हजार

लोकायुक्त ने दबोचा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जमीन के सीमांकन के नाम तीस हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे पटवारी को लोकायुक्त की टीम ने पंद्रह हजार रुपए की पहली किश्त लेते हुए रंगेहाथ दबोच लिया। पटवारी विजय कुमार सिंह दामखेड़ा में पैतृक भूमि के सीमांकन में प्रति एक दो हजार रुपए की मांग कर रहे थे। फरियादी ने इसकी शिकायत लोकायुक्त में की और लोकायुक्त पुलिस ने जाल बिछाकर पटवारी को रंगेहाथ दबोच लिया। इसकी शिकायत इंसाफ खान ने की थी। यह पैतृक भूमि थी जो बंटवारे के बाद भाइयों के नाम पर है। भूमि का सीमांकन कराने के एवज में पटवारी अविनाश सिंह द्वारा प्रति एकड़ 2 हजार रुपए की मांग की जा रही थी।

मेट्रो एंकर

एक पखवाड़े से चल रहा तनाव कम हुआ, पिता ने दिए थे संकेत

मस्क ने अब ट्रंप को मस्का लगाना शुरू किया, माफी मांगी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर तीखे विवाद के बाद अरबपति कारोबारी एलॉन मस्क के तेवर ढीले पड़ने लगे हैं। मस्क ने स्वीकार किया कि सोशल मीडिया पर उनके द्वारा ट्रंप की हालिया आलोचना %बहुत आगे% बढ़ गई थी, तथा उम्मीद है कि एक सप्ताह तक चले तीखे व्यक्तिगत हमलों के बाद उनके और राष्ट्रपति के बीच तनाव कम हो जाएगा। वहीं न्यूयॉर्क पोस्ट के साथ एक टेलीफोनिक इंटरव्यू के दौरान ट्रंप ने मस्क की माफी पर कहा कि उनके लिए कठोर शब्दों का उपयोग किया गया, लेकिन उनके मन में कोई कड़वाहट नहीं है। ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि उन्होंने माफी मांगकर बहुत अच्छा किया। खास बात यह है कि तीन दिन पहले ही मस्क के पिता ने भी संकेत दिये थे कि दोनों का झगडा पति-पत्नी जैसा है और जल्द खत्म हो जाएगा। माना जा रहा है कि कारोबारी मस्क ने इस लडाई में ट्रंप राष्ट्रपति बतौर को ज्यादा ताकतवर पाया है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप के %बिग ब्यूटीफुल बिल% की आलोचना से विवाद शुरू हुआ था। अब

ट्रंप ने कहा है कि इस बिल की आलोचना के लिये वे मस्क को दोषी नहीं मानते, लेकिन थोड़े निराश हैं। ज्ञात हो कि ट्रंप के पूर्व सहयोगी एलॉन मस्क ने पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति की आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर कई पोस्ट किये। टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक मस्क ने यहां तक आरोप लगाया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने यौन अपराध के लिए दोषी करार दिए गए जेफरी एपस्टीन से संबंधित दस्तावेजों को जारी होने से रोकने में भूमिका निभाई थी। मस्क के मुताबिक ये दस्तावेज एपस्टीन के साथ ट्रंप के पिछले संबंधों पर आधारित थे, इसलिए उन्हें सार्वजनिक होने नहीं दिया गया। हालांकि, बाद में मस्क ने इनमें से अपने कुछ पोस्ट डिलीट कर दिए और माफी मांगी कि कुछ पोस्ट के लिए मुझे खेद है.मैं बहुत आगे बढ़ गया।

इधर न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, एलॉन मस्क ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूजी विल्स से निजी तौर पर बात की, जिसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप माफी मांगी। बातचीत का उद्देश्य सोशल मीडिया पर विवाद को लेकर दोनों पूर्व सहयोगियों के बीच तनाव को कम करने का तरीका खोजना था। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि एलॉन मस्क ने व्यक्तिगत रूप से ट्रंप से संपर्क किया था. ट्रंप ने माफी स्वीकार की, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या वह मस्क के साथ अपने पिछले संबंधों को बहाल करने के लिए तैयार हैं।

मस्क के पिता मास्को में रिझाने में जुटा रूस

उधर इलॉन मस्क के पिता एरॉल इन दिनों रूस में है। वह भारत से सीधे रूस की राजधानी मॉस्को पहुंचे हैं। उनका यह दौरा ऐसे समय में शुरू हुआ है, जब उनके बेटे व राष्ट्रपति के बीच रिश्ते बेहद खराब दौर में है। दो दिन पहले ही एराल ने कहा था कि दोनों के बीच कुछ समय से काफी तनाव था। मगर दोनों के बीच की लड़ाई पति और पत्नी के झगड़े की तरह है तथा दोनों जल्द ही सुलह कर लेंगे। मस्क के पिता ने माना कि उनके बेटे ने ट्रंप को सार्वजनिक रूप से चुनौती देकर गलती की। पिता के इस कथन के बाद अब मस्क द्वारा माफी सामने आ गई। हालांकि इस विवाद के बीच रूस मध्यस्थ की भूमिका निभाने बेचैन दिखा। पहले मस्क को राजनीतिक शरण का ऑफर दिया और मस्क के पिता एरॉल मस्क की बेहतरीन आवभगत की।

मध्यप्रदेश का पारा हाई, ग्वालियर समेत कई जिलों का पारा 44 के पार

इधर, देर रात राजधानी में तेज आंधी के साथ हुई झमाझम बारिश

भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन के दो छज्जे गिरे, पुरानी बिल्डिंग को नुकसान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में मानसून की एंट्री 14 या 15 जून को हो सकती है। मौसम विभाग ने यह संकेत दिए हैं। वहीं, 12-13 जून को प्रदेश में भीषण गर्मी रहेगी। गुरुवार को ग्वालियर, चंबल-सागर संभाग के 12 जिलों में लू चलने की संभावना है। इनमें से 7 जिले- भिंड, मुरैना, श्योपुर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में ऑरेंज अलर्ट है।

इससे पहले बुधवार को लगातार 5वें दिन भी भीषण गर्मी का असर देखा गया। ग्वालियर समेत 6 शहर ऐसे रहे, जहां पारा 44 डिग्री या इससे अधिक पहुंच गया। सबसे गर्म छतरपुर जिले का नौगांव रहा। यहां तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुना में 44.5 डिग्री, ग्वालियर-शाजापुर में 44.2 डिग्री और शिवपुरी-टीकमगढ़ में 44 डिग्री रहा। इन सबके बीच बुधवार रात तेज हवा और आंधी ने राजधानी में अचानक कहर बरपा दिया। इसका सबसे बड़ा असर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की पुरानी बिल्डिंग पर देखने को मिला, जहां तेज आंधी के चलते भवन के दो छज्जे भरभराकर नीचे गिर गए। हादसा रात करीब 9 बजे का बताया जा रहा है।

गनीमत रही की हादसे में कोई यात्री नहीं हुआ घायल

छज्जे गिरने से स्टेशन की पुरानी बिल्डिंग के अंदर और बाहर मलबा फैल गया। बाहर स्थित रेस्टोरेंट को भी नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा तेज हवाओं के कारण प्लेटफार्म नंबर-5 की तरफ लगे एडवर्टाइजमेंट बोर्ड और स्टेशन की बिल्डिंग के कांच भी टूट गए। गनीमत यह रही कि हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। रेलवे प्रबंधन और बंसल ग्रुप की टीम मौके पर पहुंचकर तुरंत मलबा हटाने के काम में जुट गई है। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए एहतियातन कदम उठाए जा रहे हैं।वहीं घटना के बाद स्टेशन पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया था, हालांकि कुछ ही समय में स्थिति सामान्य हो गई।

6 किमी के प्रायोरिटी कॉरिडोर में कुल आठ स्टेशन

जोखिम से मुसाफिरों को बचाने मेट्रो के 6 स्टेशनों पर बनेंगे फुटओवर ब्रिज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में एमपनी नगर में प्रगति पेट्रोल पंप के पास बन रहे मेट्रो स्टेशन की एक एंट्री - एग्जिट फुट ओवरब्रिज से जोड़ दी गई है। इसे स्टेशन की विपरीत दिशा में सड़क के उस पार यानि मानसरोवर की ओर बनाया गया है। मानसरोवर, भाजपा दफ्तर या अरेरा कॉलोनी से आने वाले यात्रियों को एमपी नगर जोन-2 की ओर बने मेट्रो स्टेशन पर आने के लिए सड़क पार करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

इसके लिये स्टेशन के विपरीत दिशा में सड़क के इस पार लिफ्ट और सीढ़ियां बनाई जा रही हैं। इससे यात्री करीब 8.5 मीटर ऊपर जाकर फुट ओवर ब्रिज होते हुए मेट्रो स्टेशन में दाखिल हो जाएंगे, बाहर निकलने के लिए भी इसी से होकर जाना होगा। करीब 14.5 मीटर लंबा ये एफओबी सड़क से 8.5 मीटर ऊंचाई पर बनाया गया है। इस एफओबी की चौड़ाई 4.2 मीटर, जबकि ऊंचाई 3 मीटर है। एमपी नगर मेट्रो स्टेशन पर एमपी नगर जोन-2 की ओर से आने वाले यात्रियों के लिए भी एक एंट्री-एग्जिट बनाई गई है। एफओबी बनाने के पीछे मेट्रो प्रबंधन का कहना है कि सड़क पार करने की जल्दबाजी में मेट्रो का कोई भी यात्री हादसे का शिकार न हो, इसलिए ज्यादा से ज्यादा स्टेशन पर एफओबी प्लान किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि सुभाष नगर से एम्स के बीच करीब 6.22 किमी के प्रायोरिटी कॉरिडोर में मेट्रो कंपनी 8 स्टेशन बना रही है। इनमें से 6 स्टेशन पर एफओबी बनाए जा रहे हैं। केंद्रीय विद्यालय और डीआरएम ऑफिस पर जगह न होने के कारण एफओबी की योजना नहीं है। सुभाष नगर में एक फुट ओवर ब्रिज और एक रेलवे ओवर ब्रिज भी बनाया जा रहा है। मीटर लंबा एफओबी 4.2 मीटर चौड़ा होगा। हालांकि भोपाल मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर के जंक्शन सुभाष नगर डिपो में आंतरिक सड़कों और ड्रेनेज का काम अब तक पूरा नहीं हो सका है। इसे लेकर बीती शाम एमडी मेट्रो ने सुभाष नगर डिपो का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने यहां अब तक हुए निर्माण कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट मांगी। निरीक्षण की शुरुआत अनलोडिंग-बे से हुई। इसके बाद एमडी एडमिन बिल्डिंग, ट्रेनिंग बिल्डिंग में भी गए और यहां बचे हुए कार्यों को लेकर संबंधित कॉन्ट्रेक्टर व इंजीनियर से सवाल भी किए। उन्होंने इस दौरान विशेष तौर पर निर्देश दिए कि बारिश से पहले सुभाष नगर डिपो की आंतरिक सड़कों और ड्रेनेज का काम खत्म कर लिया जाए। अफसरों का कहना है कि बारिश का मौसम शुरू होने के बाद भी यहां काम करने में कोई बाधा न आए। ऐसा न करने पर डिपो के अंदर भारी वाहनों को चलाना मुश्किल हो जाएगा और निर्माण कार्य रुक जाएंगे।

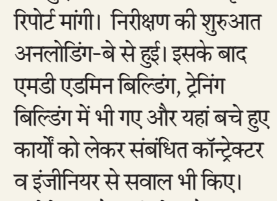

12 मीटर ऊंचा स्काय वॉक

बताया जाता है कि रानी कमलापति मेट्रो स्टेशन अकेला ऐसा मेट्रो स्टेशन होगा, जहां स्काय वॉक और एफओबी दोनों ही बनेंगे। स्काय वॉक यानी आरकेएमपी रेलवे स्टेशन पर आने वाले यात्रियों को यदि आरकेएमपी मेट्रो स्टेशन आना है तो वे दोनों स्टेशनों के बीच में बने स्काय वॉक से ही आना-जाना करेंगे। यह स्काय वॉक जमीन के 12 मीटर ऊपर दोनों स्टेशंस को आपस में जोड़ेगा।

इसके बाद डिपो में बन रहे

पटवारियों के बाद जिले के पंचायत सचिवों को भी बदला

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

आखिरकार कई वर्ष से जमें हूए जिला पंचायत के 30 सचिवों का तबादला हो गया। इनमें से कई ऐसे हैं, जो सालों से एक ही ग्राम पंचायत में जमे थे। वहीं, कुछ के घर और ससुराल उन्हीं की ग्राम पंचायत क्षेत्र में थे। सीईओ ईला तिवारी ने ट्रांसफर ऑर्डर जारी किए हैं। कई पटवारियों को भी दो दिन पहले हटाया गया है। सांसद आलोक शर्मा इन्हें बदलने के पक्ष में थे लिहाजा जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप ने लिस्ट को मंजूरी दी। इधर पंचायत सचिवों के तबादलों के संबंध में बताया जाता है कि पंचायत सचिवों के लिये क्राइटेरिया के साथ ही जनप्रतिनिधियों की पसंद का ध्यान भी रखा गया। इसके बाद लिस्ट जारी की गई। हालांकि, अभी भी कई सचिव ट्रांसफर के दायरे में आ रहे हैं। उनकी लिस्ट भी तैयार हो रही है। 17 जून से पहले इन्हें भी जिले में एक पंचायत से दूसरी पंचायत में किया जाएगा। भोपाल में कुल 222 ग्राम पंचायतें हैं। वहीं, दो जनपदें बैरसिया और फंदा है। जिन ग्राम पंचायतों को एक पंचायत से दूसरी पंचायत में भेजा गया है, उन्हें 14 दिन के अंदर काम संभालना होगा। ट्रांसफर वाली ग्राम पंचायत में यदि किसी ग्राम के सचिव के नातेदार पंचायत का पदाधिकारी चुन लिया गया हो या पूर्व से हो तो ऐसी पंचायत में किया गया ट्रांसफर स्वत-ही निरस्त माना जाएगा।

छोला दशहरा मैदान पर कब्जे की कोशिश

शिकायत लेकर पहुंचे कांग्रेस नेता

भोपाल। राजधानी के छोला दशहरा मैदान पर कब्जे की शिकायत निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण तक पहुंची है। इसमें कहा गया कि मैदान पर अवैध कब्जा हो रहा है। वहीं, यहां गुपचुप तरीके से दुकानें भी बनाई जा रही है। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने कहा कि छोला दशहरा मैदान पुराने शहर में हिंदुओं के आस्था के प्रतीक एवं अनेक धार्मिक आयोजन के मुख्य केंद्र का बिंदु है। यहां पर 14 से ज्यादा दुकान बिना टेंडर के बनाई जा रही है और कचरा भी फेंका जा रहा है। इसे

लेकर तर्क यह दिया जा रहा है कि छोला मंदिर के आसपास अव्यवस्थित बाजार को यहां शिफ्ट किया जाएगा। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से शिकायत करने के बाद मैदान पर चल रहे निर्माण कार्यों को बंद कर दिया गया था, लेकिन मंगलवार से काम फिर शुरू हो गया। कांग्रेस नेताओं ने निगम अफसरों पर आरोप भी लगाए। कांग्रेस नेता शुक्ला समेत समाजसेवियों ने निगम कमिश्नर नारायण से कहा कि प्राचीन धरोहर की पहचान को खत्म करने वालों को चिह्नित कर कार्रवाई करें। इस मैदान पर अभी अवैध निर्माण व अतिक्रमण बिना किसी डर के किया जा रहा है। अवैध निर्माण व अतिक्रमण को हटाकर प्राचीन छोला दशहरा मैदान को पुराने स्वरुप में करने का तत्काल आदेश दें।

सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया अंचल के नव नियुक्त महाप्रबंधक धीरज गोपाल का बैंक अधिकारी संघ के मोहम्मद नजीर कुरैशी, महेंद्र गुप्ता जनरल, सत्येंद्र चौरसिया तथा राजेश खोबरागड़े द्वारा स्वागत किया गया

हुजूर विस में मंगल भवनों का भूमिपूजन, शर्मा बोले-

शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों को समान विकास मेरी प्रतिबद्धता

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

हुजूर विधानसभा क्षेत्र में विधायक रामेश्वर शर्मा ने प्रेमपुरा, बालमपुर, बरखेड़ी, डोब और मुगालिया कोट गांवों में 24-24 लाख रुपये की लागत से बनने वाले मंगल भवनों का भूमिपूजन किया। ये भवन ग्रामीणों के सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र बनेंगे। इस अवसर पर विधायक शर्मा ने हुजूर विधानसभा के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एक समान विकास के अपने संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सड़कों और मूलभूत सुविधाओं का विस्तार उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने के लिए उन्होंने ग्राम प्रेमपुरा में जनसंवाद का आयोजन किया और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। वहीं, ग्राम अमोनी में ग्रामीणों द्वारा किए गए भव्य स्वागत से वे अभिभूत हुए।

ऑपरेशन सिंदूर-तिरंगा यात्रा: मुगालिया कोट में मंगल भवन के भूमिपूजन के साथ ही विधायक शर्मा ने ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता पर आयोजित तिरंगा यात्रा में भी भाग लिया। उन्होंने भारत के वीर जवानों के शौर्य को नमन करते हुए देशभक्ति के नारे लगाए।

गांधी नगर में टैलेंट सेरेमनी: 100 से अधिक मेधावी छात्र सम्मानित

हिरदाराम नगर। गांधी नगर में स्थित सनशाइन कोचिंग क्लासेस और यशोदा पब्लिक स्कूल ने हाल ही में एक भव्य %टैलेंट सेरेमनी% का आयोजन किया। इस वार्षिक समारोह में कोचिंग और स्कूल के 100 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विधायक रामेश्वर शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि सेवानिवृत्त कर्नल हरिकिशोर दुबे विशेष अतिथि थे। उन्होंने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले, साथ ही कोचिंग से निकले विद्यार्थियों को ट्रॉफी, मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। विधायक शर्मा ने इस अवसर पर माता-पिता के त्याग को रेखांकित करते हुए कहा कि वे अपना पूरा जीवन बच्चों के लिए समर्पित करते हैं, इसलिए बच्चों का भी यह फर्ज है कि वे बड़े होकर अपने माता-पिता का सहारा बनें।

रिटायर्ड कर्नल हरिकिशोर दुबे ने कहा कि आपके सबसे अच्छे मित्र

आपके माता-पिता और शिक्षक हैं, हमेशा उनका सम्मान करें। इस प्रेरक समारोह में माता कौशल्या लाइब्रेरी के संस्थापक रजनीश रंजन भी उपस्थित थे। विशाल परिहार और उनकी टीम ने अपने मधुर संगीत से कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए, जिससे यह शाम और

मेट्रो एंकर - संस्कार विद्यालय में शिक्षक-विशेषज्ञ संवाद भी

भविष्य की शिक्षा पर मंथन: एआई-नैतिक मूल्यों पर सेमिनार

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

दीपमाला पागारानी संस्कार स्कूल में दो दिवसीय शिक्षक सेमिनार ने शिक्षा की बदलती तस्वीर और भविष्य की चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। कार्यशाला में शिक्षकों को नवीनतम ज्ञान और अनुभव से लैस किया गया।

सेमिनार के पहले सत्र में, शिक्षाविद तिलक बैरागी ने %शिक्षा एवं नैतिक मूल्य% विषय पर शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने सीखने की निरंतर प्रक्रिया पर जोर दिया, कहा कि यही शिक्षकों को और अधिक प्रभावशाली बनाता है। बैरागी ने योग के महत्व को रेखांकित करते हुए इसे शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अनिवार्य बताया। उन्होंने शिक्षकों को ऊर्जावान होकर पढ़ाने और हमेशा

अपडेटेड रहने की प्रेरणा दी, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके शिक्षण को अधिक आकर्षक और प्रभावी बनाने पर उनका विशेष जोर रहा। दूसरे सत्र में, संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने एआई के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे एआई विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए सीखने की प्रक्रिया को सुलभ बना रहा है और यह विभिन्न विषयों पर ज्ञान प्रदान करने में भी सक्षम है। डॉ. पारवानी ने इस बात पर जोर दिया कि ढ़ केवल हमारे व्यावसायिक जीवन में ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत जीवन में भी महत्वपूर्ण स्थान बना रहा है।

कार्यक्रम का उद्घाटन तिलक बैरागी, संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चंदर नागदेव और कन्हैयालाल मोटवानी ने पारंपरिक रूप से किया। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष सुरेश राजपाल, लेखापरीक्षक पुरुषोत्तम टिलवानी, प्राचार्य आर.के. मिश्रा, कोऑर्डिनेटर सीमा शर्मा सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थीं।

उच्च शिक्षा विभाग ने प्रोफेसरों, सहायक प्रोफेसरों, लाइब्रेरियन, क्रीड़ा अधिकारियों के लिए जारी किए सख्त निर्देश

कॉलेजों में प्रोफेसरों को लगानी होगी ऑनलाइन हाजिरी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश के स्कूलों के साथ ही अब कॉलेजों में हाजिरी व्यवस्था को लेकर बदलाव शुरू हो गए है। अब प्रदेश के कॉलेजों में विद्यार्थियों के साथ ही प्रोफेसरों को भी ऑनलाइन हाजिरी लगानी होगी। यानि उपस्थिति लगाकर गायब होने वाले प्रोफेसरों की हरकतों पर अब ब्रेक लगेगा। वहीं उपस्थिति का रिकॉर्ड भी प्रोफेसरों को देना होगा। ऐसा नहीं करने पर उनकी वेतन में कटौती की जाएगी।

दरअसल, उच्च शिक्षा विभाग ने प्रोफेसरों, सहायक प्रोफेसरों, लाइब्रेरियन, क्रीड़ा अधिकारियों और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए सख्त निर्देश जारी कर दिए हैं। नई व्यवस्था के तहत अगर कोई भी शैक्षणिक या गैर-शैक्षणिक कर्मचारी कॉलेज में हर कार्य दिवस पर कम से कम छह घंटे की उपस्थिति दर्ज नहीं करता है, तो उस दिन का वेतन नहीं दिया जाएगा। ऐसे नहीं करने पर संबंधित प्राचार्य और डीडीओ (ड्रॉइंग एंड डिस्बर्सिंग ऑफिसर) को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। हर माह की 30 तारीख तक वेतन तैयार करना होगा, जिसमें सार्थक एप की रिपोर्ट और दैनिक छह घंटे की उपस्थिति का स्पष्ट उल्लेख अनिवार्य होगा।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शुरू हुई ऑनलाइन हाजिरी व्यवस्था

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षक एम शिक्षा मित्र एप पर हाजिरी लगानने की व्यवस्था शुरू हो गई है विभाग द्वारा एम शिक्षा मित्र व सार्थक ऐप की कनेक्टिविटी कर शिक्षकों की ऑनलाइन अटेंडेंस लगाएगा। इससे शिक्षकों की बायोमेट्रिक अटेंडेंस लगाई जा रही है। इसके साथ ही ऑनलाइन अटेंडेंस नहीं लगाने पर शिक्षकों का वेतन काटने की भी तैयारी की गई है। हालांकि अटेंडेंस लगाने की शुरुआत में इससे शिक्षकों को छूट दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन अटेंडेंस की व्यवस्था को पायलेट प्रोजेक्ट के तहत उज्जैन व नरसिंहपुर में शुरू किया गया है। फिलहाल यह व्यवस्था दो जून को स्कूल खुलने के साथ शुरू की गई है। पहले दिन उज्जैन जिले में सॉफ्टवेयर की परेशानियों के चलते कई शिक्षकों की अटेंडेंस नहीं लग पाई। विभाग के अफसरों ने इसे दूर करने के निर्देश दिए है। उज्जैन व नरसिंहपुर में ट्रायल के बाद पूरे प्रदेश में इसे लागू किया गया है।

ग्रामोदय से राष्ट्रोदय की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय: मंत्री पटेल

भोपाल। राज्य मंत्रि परिषद की गत दिवस हुई बैठक में मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना के अंतर्गत 30 हजार 900 किलोमीटर लंबी सड़कों के निर्माण के लिए 21 हजार 630 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान किए जाने पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। मंत्री पटेल ने कहा कि यह ऐतिहासिक निर्णय न केवल सुदूर ग्रामीण अंचलों को शहरों से जोड़ेगा, बल्कि प्रदेश की आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक प्रगति का सशक्त आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण बस्तियों की मूलभूत सुविधाओं की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

दुग्ध संघों का डिजिटाइजेशन शुरू, भुगतान होगा तेज व पारदर्शी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र के दुग्ध संघों में डिजिटाइजेशन शुरू हो गया है। इसके पहले चरण में दूध खरीदी के बाद उसकी जांच और भुगतान तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) ने एमपी स्टेट कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन का प्रबंधन संभालने के दो महीने पूरे होने से पहले यह पहला बड़ा काम किया। इसके लिए फेडरेशन ने ईआरपी सिस्टम लागू कर दिया है। इससे सभी प्रमुख काम ऑनलाइन हो सकेंगे। एमपसीडीएफ के एमडी डॉ. संजय गोवाणी ने बताया कि एनडीडीबी ने एक मोबाइल ऐप आधारित दूध संग्रहण प्रणाली भी विकसित की है। यह ऐप ईआरपी सिस्टम से जुड़ा रहेगा। इससे किसानों को दूध का सही मूल्य और समय पर भुगतान मिल सकेगा। भुगतान प्रक्रिया तेज और पारदर्शी होगी। यह ऐप स्वचालित दूध संग्रहण प्रणाली की लागत भी घटाएगा। इससे डेयरी संघों को आर्थिक लाभ भी होगा।

राजधानी में ही अब तक सभी दफ्तरों में सौर उर्जा नहीं

सभी जिलों की सरकारी दफ्तरों की छतों में सोलर प्लांट की तैयारी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

अब मप्र में रूफटॉप सोलर के मामले में पिछड़े मप्र ने ऊंची छलांग लगाने की कोशिशें शुरू की हैं। इसकी बड़ी तैयारी की जा रही है। इसके लिए प्रदेश के सभी 55 जिलों में सरकारी इमारतों की छतों पर सोलर प्लांट लगाने की योजना है। इन प्लांट्स के जरिए 3500 मेगावाट बिजली बनाने का टारगेट रखा गया है। सरकारी, अर्धसरकारी दफ्तरों की इमारतों के लिए मप्र में विशेष मॉडल तैयार किया गया है। हालांकि पहले के वर्षों में भी सरकारी इमारतों पर सोलर प्लांट लगाने के वादे इरादे कई बार हो चुके हैं।

बताया जाता है कि नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव मनु श्रीवास्तव ने इसके लिए रिन्यूएबल एनर्जी सर्विसेस कंपनी (रेस्को) मॉडल पर अमल करने के निर्देश दिये हैं। इसमें निवेश शून्य आएगा। पहले दिन से बचत शुरू हो जाएगी। नेट जीरो की ओर यह बड़ा कदम है।

अलग-अलग क्षमता के प्लांट

बताया जाता है कि सरकारी इमारतों में खपत के मुताबिक अलग क्षमता के सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। इसके लिये ऊर्जा निगम के पास पयार्प्त संसाधन हैं। निगम का आकलन है कि छोटे कस्बों और शहरों में 5 किलोवॉट से लेकर 40 किलोवाट तक की क्षमता के सोलर प्लांट की जरूरत भी पड़ सकती है।

विभागों की इमारतों में है गुंजाइश

ऊर्जा विकास निगम ने इसका खाका तैयार कर लिया है। यह प्रोजेक्ट स्थानीय निकायों की इमारतों से शुरू होगा। इस मामले में ऊर्जा विकास निगम के एमडी अमनवीर सिंह बैस का कहना है कि हमने सर्वे करवा लिया है। प्रदेश के ज्यादातर नगर निगमों, नगर पालिकाओं समेत सरकारी विभागों की इमारतों में इसकी काफी गुंजाइश है। भोपाल सहित कई शहरों के स्थानीय निकायों से एक दौर की बातचीत हो चुकी है। बैंकों और बिजली वितरण कंपनियों के उच्च प्रबंधन से भी बातचीत की जा चुकी है। केंद्र सरकार की सूर्य घर बिजली योजना के प्रावधानों के तहत कई सुविधाएं भी मिलेंगी। इसमें क्या-क्या तकनीकी परेशानियां हो सकती है, इसे शॉर्ट लिस्ट कर लिया गया है। सभी काम आसानी से करने के लिए मसौदा तैयार है।

अब एमबीबीएस की पढ़ाई की फीस नहीं भरेगी सरकार, लोन दिलाने में करेगी मदद

पढ़ाई पूरी होने के बाद पांच साल तक ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा की नहीं रहेगी बाध्यता

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

एमबीबीएस की पढ़ाई करने वाले एसटी, एससी व सामान्य वर्ग के युवाओं की फीस अब सरकार नहीं भरेगी। इन्हें दी जाने वाली छात्रवृत्ति से ही फीस की प्रतिपूर्ति की जाएगी। इसके बावजूद भी कॉलेजों का शुल्क पूरा नहीं होता है तो ऐसी स्थिति में पात्र युवाओं को बैंकों से कर्ज लेने होंगे, इसमें सरकार मदद करेगी। मोहन सरकार ने यह बड़ा योजना मुख्यमंत्री मेधावी छात्र योजना के में किया है। जिसे मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में मंजूरी भी मिल गई है।

सरकार जिन युवाओं को एमबीबीएस की पढ़ाई में शुल्क चुकाकर मदद करती थी, उन युवाओं के लिए यह अनिवार्य था कि उन्हें पढ़ाई पूरी होने के बाद मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में 5 साल तक सेवाएं देनी पड़ती है। दूसरे राज्यों के छात्र इस शर्त से भारी परेशान थे, उनके अभिभावक लंबे समय से उक्त शर्त में शिथिलता दिए जाने की मांग कर रहे थे। मोहन सरकार ने इसका तोड़ खोजा और तय किया कि युवाओं का शुल्क युवा ही भरेंगे, उन्हें छात्रवृत्ति के रूप में मदद देंगे। इसके बावजूद भी फीस की भरपाई नहीं होती है तो ऐसी स्थिति में उन्हें लोन दिलाएंगे।

मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्र ग्रामीणों में नहीं देना चाहते सेवाएं

जो युवा 5 साल तक ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा देंगे, उनका शुल्क सरकार चुकाएंगी जो नहीं भरेंगे, जो कर्ज भरने के लिए तैयार नहीं होंगे, उन्हें पांच साल तक ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा करने की माध्यता नहीं होगी। यह बदलाव वित्तीय वर्ष 2025–26 से प्रवेश लेने वाले युवाओं के लिए प्रभावी होगा। उल्लेखनीय है कि मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने वाले कई छात्र ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाए नहीं देना चाहते, इसकी वजह उन्हें दूसरे राज्यों में व देश के बाहर बड़ा पैकेज मिलता है। ऐसी स्थिति में वह सरकार के साथ किए बांड का उल्लंघन करते हैं और विवाद कोर्ट तक पहुंचता है। कई मामलों में यह स्थिति बन चुकी है। इन तमाम स्थितियों को देखते हुए सरकार ने यह रास्ता निकाला है।

कार्य में लापरवाही पर डीजीएम निलंबित

भोपाल मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा ग्वालियर वृत्त अंतर्गत संचारण संधारण डबरा संभाग में विद्युत आपूर्ति सेवाओं के दौरान अनधिकृत रूप से अनुपस्थित होने एवं कार्य में लापरवाही बरतने के कारण डबरा संभाग में पदस्थ उप महाप्रबंधक शुभम कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबिन अवधि में शुभम कुमार का मुख्यालय वृत्त कार्यालय श्योपुर नियत किया गया है। कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने सचेत किया है कि कार्य में पारदर्शिता, लगन, निष्ठा और उपभोक्ता सेवाओं को लेकर किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

परमार की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार चयन के लिए बैठक

रासेयो पुरस्कार के आवेदन आमंत्रण के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया सुनिश्चित करायी जाए

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय स्थित प्रतिकक्ष में राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार/प्रशस्ति वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 हेतु चयन प्रक्रिया के लिए बैठक हुई। बैठक में मंत्री परमार ने विभिन्न बिंदुओं पर व्यापक विचार विमर्श कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। परमार ने कहा कि आगामी सत्रों हेतु चयन प्रक्रिया को समयसीमा में पूर्ण करें। परमार ने उक्त पुरस्कार के लिए आवेदन ऑनलाइन प्रक्रिया से आमंत्रित कराये जाने के निर्देश भी दिए। बता दें कि राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार शिक्षा के साथ साथ समाज सेवा सम्बंधित कार्यों के लिए दिए जाते हैं।। यह पुरस्कार एवं प्रशस्ति प्रति वर्ष 5 स्तर पर क्रमशरू रासेयो कार्यक्रम समन्वयक के लिए एक, जिला संगठक के लिए दो, कार्यक्रम अधिकारी एक संस्था के लिए 12 एवं स्वयं सेवक स्तर पर 20 चयनित प्रशस्ति प्रदान किये जाते हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन, कुलगुरु अटल बिहारी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल खेमसिंह डेहरिया, प्रांत प्रमुख विद्या भारती राम कुमार भावसार, क्षेत्रीय निदेशक राष्ट्रीय सेवा योजना अशोक श्रोती एवं राज्य एनएसएस अधिकारी मनोज कुमार अग्निहोत्री सहित विभिन्न अधिकारीगण उपस्थित थे।

पीएचक्यू का निर्देश: अब थानों में पदस्थापना की अधिकतम अवधि 4 वर्ष

भोपाल। पुलिस मुख्यालय ने थानों में कार्यरत आरक्षकों से लेकर उप निरीक्षक स्तर तक के कर्मचारियों की पदस्थापना को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि किसी भी थाने में किसी भी पद पर पदस्थापना की अवधि अधिकतम 4 वर्ष और कुल मिलाकर 5 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। पूर्व में जारी निर्देशों के पालन में लापरवाही पाए जाने पर मुख्यालय ने * दोबारा स्पष्ट किया है कि बिना सक्षम स्वीकृति के किसी भी अधिकारी/कर्मी की पदस्थापना अवधि नहीं बढ़ाई जाएगी और एक ही थाना या पद पर पुनः पदस्थापना पर भी रोक रहेगी। सभी जिलों से कहा गया है कि 16 जून 2025 तक संबंधित थानों में पदस्थ कर्मचारियों की सेवा अवधि की समीक्षा कर रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से भेजी जाए।

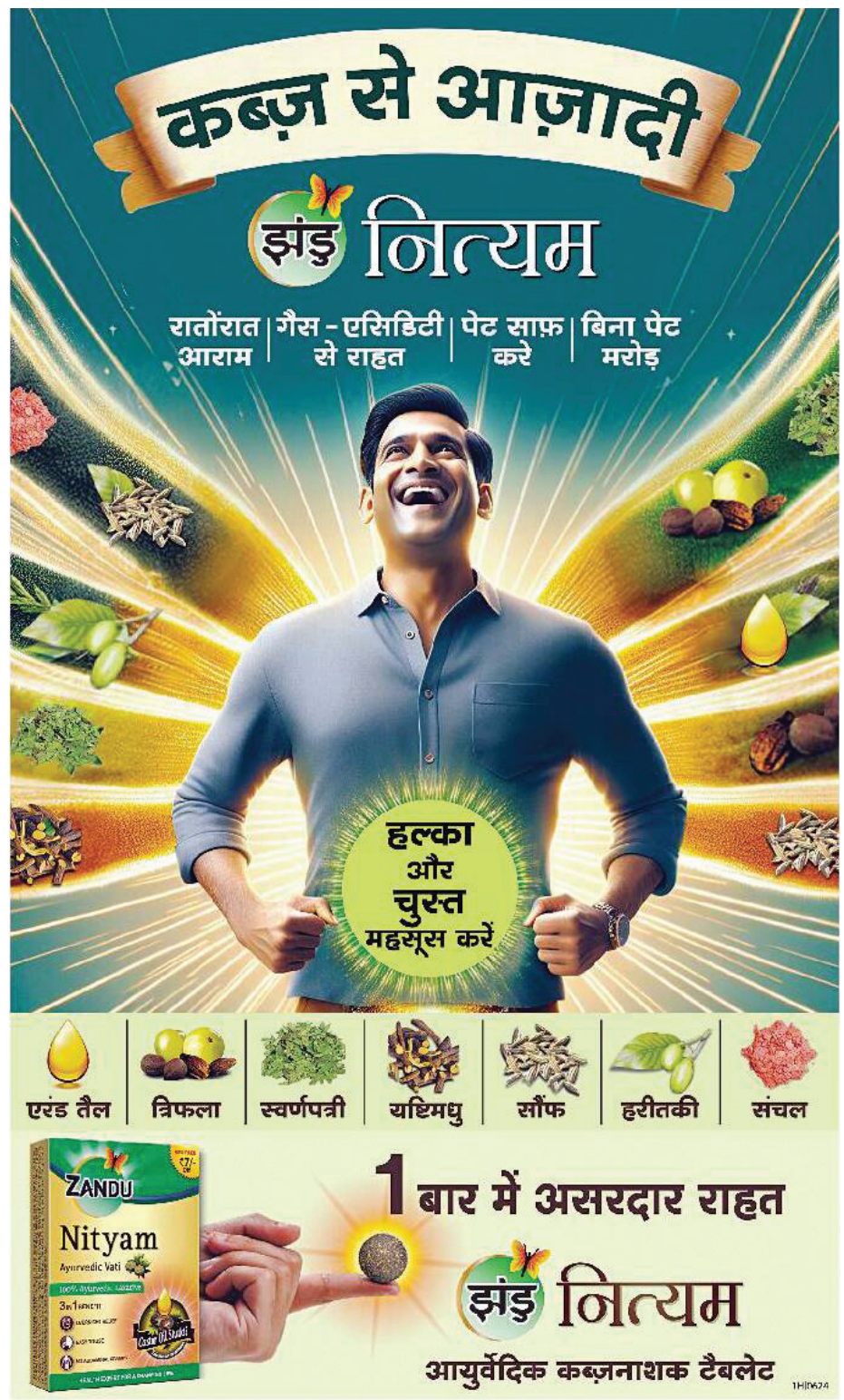

मेट्रो एंकर

अमृत हरित कार्यशाला कल रवीन्द्र भवन में

हरित क्षेत्र से जुड़े विषय-विशेषज्ञों के होंगे व्याख्यान

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा शुक्रवार 13 जून को प्रातः 8:30 बजे राजधानी भोपाल के रवीन्द्र भवन में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला अमृत हरित अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में हरित क्षेत्र के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों और पहलों का प्रसार करना है। कार्यशाला में मंत्रीगण, सांसद, विधायक, महापौर, निकायों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यशाला में प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। प्रत्येक नगर निगम से 6, नगरपालिका परिषद से 4 और नगर परिषद से 2 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गयी है। कार्यशाला के दौरान कृषि और उद्यानिकी से संबंधित उत्पादों एवं यंत्रों की प्रदर्शनी के साथ ही नर्सरी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जायेगा। कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों जैसे इफ्को एवं भारतीय प्रबंध संस्थान के विषय-विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की जायेगी। कार्यशाला में स्थानीय वृक्ष प्रजातियों की विशेषताएँ एवं संरक्षण, जैव-विविधता एवं जलवायु परिवर्तन, बगीचों के लिये तकनीक एवं उपकरण की आवश्यकताएँ, वृक्षारोपण और पौध-रोपण से संबंधित अधिनियमों का विश्लेषण तथा वृक्षारोपण उपरांत समुचित प्रबंधन विषय पर चर्चा की जायेगी।

हरित क्षेत्र बढ़ाने की रणनीतियां

कार्यशाला में दिव्यांग पार्क, होशंगाबाद एवं उज्जैन की सफलता की कहानियों को भी साझा किया जायेगा। इन कहानियों पर आधारित फिल्म का विशेष प्रस्तुतिकरण किया जायेगा। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण समस्त नगरीय निकायों में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से किया जायेगा, जिससे राज्य के सभी निकाय इस अभियान से जुड़ सकें। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त श्री संकेत भोंडवे के निर्देशन में अपर आयुक्त कैलाश वानखेड़े ने सभी नगरीय निकायों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किये हैं।

संपादकीय

नयी परिभाषा की जरूरत

हाल में विश्व बैंक ने गरीबी के संबंध में नए अनुमान जारी किए हैं और निम्न आय वाले देशों के लिए प्रति दिन 3 डॉलर उपभोग की रेखा निर्धारित की है। पहले यह रेखा 2.15 डॉलर प्रतिदिन उपभोग पर आधारित थी। निम्न मध्य आय वाले देशों के लिए यह सीमा 3.65 डॉलर से बढ़ाकर 4.20 डॉलर कर दी गई है। यह संभवतः गरीबी उन्मूलन में भारत की प्रगति का अनुमान लगाने का शुरुआती अवसर प्रदान करता है। 3 डॉलर से कम रकम के साथ जीवन-बसर करने वाले अत्यंत गरीब लोगों की संख्या अब कम होकर कुल आबादी का केवल 5.3 फीसदी रह गई है, जो 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। प्रति दिन 4.20 डॉलर से कम राशि पर जीवन बसर करने वाले लोगों की संख्या इसी अवधि में 57.7 फीसदी से कम होकर 23.9 फीसदी रह गई है। इस उपलब्धि को कम करके नहीं आका जाना चाहिए। यह आर्थिक वृद्धि और लक्षित गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों को परिलक्षित करता है। यद्यपि आधिकारिक अनुमानों के अभाव में गरीबी का सटीक आकलन नहीं हो पा रहा है। शुरू से ही सटीक एवं उचित गरीबी रेखा की परिभाषा पर कुछ मतभेद होने के कारण गरीबी से संबंधित आंकड़े पेचीदा और विवादों में घिरे रहे हैं। शासन व्यवस्था में आंतरिक सहमति नहीं होने से कई लोगों ने विश्व बैंक द्वारा निर्धारित गरीबी रेखा की परिभाषा का उपयोग किया है। गौरतलब है कि विश्व बैंक ने 1990 में गरीबी रेखा के निर्धारण के लिए 'प्रति दिन एक डॉलर' मानक पेश किया था। इस मानक को चार बार अद्यतन किया जा चुका है। बहरहाल यह कतई मतलब नहीं है कि गरीबी उन्मूलन में भौगोलिक एवं अन्य असमानताएं मौजूद नहीं हैं। मसलन विश्व बैंक द्वारा इस्तेमाल आंकड़ों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी दर शहरी क्षेत्रों की तुलना में अब भी काफी अधिक है। तर्क दिया जा सकता है कि यह अंतर बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया जा रहा है क्योंकि दोनों क्षेत्रों में कीमतों में अंतर भी होता है। भारत में एक मूल समस्या यह है कि उपभोक्ता सर्वेक्षण अब शुरू हो गए हैं और दो लगातार ऐसे अभियान चलाए गए हैं मगर गरीबी के अनुमानों का स्पष्ट खाका खींचने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। ऐसा एक प्रयास एक दशक पहले किया गया था। नये प्रयासों में कुछ लोग सवाल कर सकते हैं कि भारत में केवल एक चौथाई लोग ही गरीब कैसे हो सकते हैं जबकि कुल आबादी का एक बड़ा हिस्सा सरकारी योजनाओं के अंतर्गत निःशुल्क अनाज हासिल कर रहा है। यह भी मालूम करना उतना ही जरूरी है कि ऐसी सरकारी योजनाएं आखिर किस हद तक गरीबी कम करने में मददगार साबित हो रही हैं। बावजूद अब दो लगातार घरेलू उपभोग सर्वेक्षण के आंकड़े उपलब्ध हैं तो भारत को नया अनुमान देने सोचना चाहिये। हालांकि इसमें शक नहीं कि भारत गरीबी खत्म करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है इसलिए एक अद्यतन गरीबी रेखा का निर्धारण जरूरी है। इस प्रयास का अंतिम पड़ाव अमूमन सबसे कठिन होता है और इसके लिए समस्याओं के बारे में सटीक जानकारी होनी जरूरी है। गरीबी उन्मूलन में हुई प्रगति से अति उत्साह में आकर लक्ष्य से नहीं भटकना भी उतना ही आवश्यक है। कोविड महामारी के अनुभव ने हमें सीख दी है कि कई लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ जाते हैं मगर विभिन्न आर्थिक झटकों के कारण फिर गरीबी की चपेट में चले जाते हैं।

राजा और सोनम रघुवंशी केस: निजी ही नहीं बल्कि समाज, संस्कृति और व्यवस्था की त्रासदी

■ जयसिंह रावत

भारत में अपराध की कहानियां अक्सर सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक ताने-बाने को उजागर करती हैं, और राजा रघुवंशी हत्याकांड इसका ज्वलंत उदाहरण है। मेघालय के शांत पर्यटक स्थल चेरापूंजी में नवविवाहित जोड़े राजा और सोनम रघुवंशी का हनीमून एक भयावह त्रासदी में बदल गया, जब राजा की हत्या कर उनका शव 200 फीट गहरी खाई में फेंक दिया गया।इस मामले में सोनम रघुवंशी मुख्य आरोपी के रूप में उभरीं, और उनके प्रेमी राज कुशवाहा के साथ मिलकर सुपारी देकर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगा। यह मामला केवल एक हत्याकांड नहीं, बल्कि सामाजिक दबाव, मनोवैज्ञानिक जटिलताओं, और संगठित अपराध के संभावित नेटवर्क का एक जटिल मिश्रण है। इस लेख में, हम इस मामले को नए और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण से देखते हैं, जो इसकी गहराई और रहस्य को उजागर करता है। सोनम रघुवंशी, जिन्हें शुरुआत में लापता माना गया, ने पूछताछ में दावा किया कि वह स्वयं एक पीड़ित हैं। यह दावा इस मामले को एक नया आयाम देता है। शादी के वायरल वीडियो में सोनम का उदास चेहरा और उनकी नाखुशी स्पष्ट थी। क्या यह नाखुशी इतनी गहरी थी कि उसने हत्या जैसे संगीन अपराध को अंजाम दिया?

मनोवैज्ञानिक विश्लेषण के नजरिए से, सोनम की मानसिक स्थिति पर गौर करना जरूरी है। क्या वह भावनात्मक उलझन, सामाजिक दबाव, या किसी ब्लैकमेल का शिकार थी? उनके और राज कुशवाहा के बीच कथित प्रेम संबंध की खबरें इस सवाल को और पेचीदा बनाती हैं। मनोवैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, ऐसी परिस्थितियों में व्यक्ति अक्सर आवेगपूर्ण निर्णय ले सकते हैं, लेकिन इस मामले में हत्या की साजिश इतनी सुनियोजित थी कि यह केवल आवेश का परिणाम नहीं लगता। क्या सोनम ने सचमुच यह सब सुनियोजित तरीके से किया, या वह किसी बड़े खेल का हिस्सा थी? इस पहलू की गहन जांच इस केस की

भारतीय समाज में अरेंज्ड मैरिज एक सामान्य प्रथा है, लेकिन इसके पीछे अक्सर सामाजिक और पारिवारिक दबाव काम करते हैं। राजा और सोनम की शादी एक परिचय पुस्तिका के जरिए तय हुई थी, और राजा की मां ने बताया कि राजा ने शादी से पहले ही सोनम की उदासीनता की शिकायत की थी। यह इशारा करता है कि शादी से पहले दोनों के बीच तालमेल की कमी थी। क्या सोनम पर परिवार या समाज का दबाव था कि वह इस शादी के लिए राजी हो? भारतीय समाज में, खासकर मध्यमवर्गीय परिवारों में, आर्थिक स्थिति और सामाजिक रुतबे को प्राथमिकता दी जाती है, जिसके चलते व्यक्तिगत इच्छाओं को दबा दिया जाता है। सोनम के पिता का यह दावा कि उनकी बेटी बेगुनाह है, और मेघालय पुलिस गलत दावे कर रही है, यह सवाल उठाता है कि क्या सोनम सामाजिक दबाव का शिकार थी, जिसने उसे इस हद तक ले गया? यह कोण न केवल इस केस को, बल्कि भारतीय समाज में वैवाहिक रिश्तों की जटिलताओं को भी उजागर करता है जटिलताओं को समझने में मदद कर सकती है। मेघालय पुलिस के अनुसार, सोनम ने अपने प्रेमी राज कुशवाहा और तीन अन्य लोगों के साथ मिलकर कॉन्ट्रैक्ट किलर्स को सुपारी दी थी। हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार 'दाओ' और शव को खाई में फेंकने का तरीका यह दर्शाता है कि यह एक सुनियोजित अपराध था। सवाल यह है कि इतने व्यवस्थित तरीके से इस साजिश को कैसे अंजाम दिया गया? क्या इसमें कोई बड़ा आपराधिक नेटवर्क शामिल था? राजा के भाई विपिन ने स्थानीय गैंग और स्कूटर किराए देने वाले की संलिप्तता की आशंका जताई थी। यह संभावना कि मेघालय जैसे शांत राज्य में संगठित अपराध का नेटवर्क सक्रिय हो सकता है, इस केस को और गंभीर

बनाती है। कॉन्ट्रैक्ट किलिंग के इस पहलू की जांच से न केवल इस मामले की सच्चाई सामने आ सकती है, बल्कि यह भी पता चल सकता है कि क्या पर्यटक स्थलों पर ऐसे अपराध बढ़ रहे हैं। मेघालय, अपने प्राकृतिक सौंदर्य और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है, लेकिन इस हत्याकांड ने इसकी छवि पर सवाल उठाए हैं। कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि इस क्षेत्र में पहले भी पर्यटकों, खासकर महिलाओं, के अपहरण की घटनाएं हो चुकी हैं। क्या मेघालय के पर्यटक स्थलों पर संगठित अपराध का खतरा बढ़ रहा है? यह सवाल न केवल इस मामले के संदर्भ में, बल्कि पूरे पर्यटन उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है। पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं? यह कोण न केवल इस केस की जांच को बल देता है, बल्कि पर्यटन और सुरक्षा के बीच के संबंध को भी उजागर करता है। इस मामले ने सोशल मीडिया पर तूफान ला दिया। सोनम की शादी का वीडियो, उनकी सास के साथ आखिरी कॉल की रिकॉर्डिंग, और अन्य जानकारियां वायरल हो गईं। लोगों ने बिना पूरी सच्चाई जाने सोनम को 'दुष्टा' और 'बेवफा' जैसे शब्दों से नवाजा। यह दिखाता है कि सोशल मीडिया ने इस मामले को सनसनीखेज बना दिया, जिससे जांच पर भी असर पड़ सकता है। डिजिटल युग में, जनमत का निर्माण और अपराध की रिपोर्टिंग किस तरह बदल रही है, यह इस केस से स्पष्ट होता है। क्या सोशल मीडिया ने इस मामले को निष्पक्ष जांच से दूर ले जाकर इसे और जटिल बना दिया? यह एक ऐसा पहलू है, जो आधुनिक युग में अपराध और मीडिया के रिश्ते को समझने में मदद करता है। राजा के परिवार और रघुवंशी समाज ने मेघालय पुलिस की जांच पर सवाल उठाते हुए सीबीआई जांच की मांग की है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस मामले को सीबीआई को सौंपने की अपील की थी।

सोनम के पिता का आरोप है कि मेघालय पुलिस सबूत नष्ट कर रही है। क्या स्थानीय पुलिस ने शुरुआती जांच में लापरवाही बरती? यह सवाल पुलिस सुधारों और जांच प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाता है। एक निष्पक्ष और गहन जांच ही इस मामले की सच्चाई को सामने ला सकती है। राजा और सोनम रघुवंशी का मामला एक साधारण हत्याकांड से कहीं अधिक है। यह सामाजिक दबाव, मनोवैज्ञानिक जटिलताओं, संगठित अपराध, और डिजिटल युग के प्रभावों का एक जटिल मिश्रण है। सोनम की मनोवैज्ञानिक स्थिति, सामाजिक दबाव, कॉन्ट्रैक्ट किलिंग की साजिश, मेघालय में पर्यटन और अपराध का नया चेहरा, सोशल मीडिया का प्रभाव, और पुलिस की विश्वसनीयता जैसे कोण इस मामले को गहराई से समझने में मदद करते हैं। यह केस न केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी है, बल्कि यह हमारे समाज, संस्कृति, और व्यवस्था की कमियों को भी उजागर करता है। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, उम्मीद है कि सच्चाई सामने आएगी, और यह मामला हमें सामाजिक और कानूनी सुधारों की दिशा में सोचने के लिए प्रेरित करेगा।

– साभार

आज का इतिहास

- 1240 पेरिस का विवाद किंग लुई द्वितीय के दरबार में शुरू हुआ, जिसमें चार रब्बियों ने निकोलस डोनिन की निंदा के खिलाफ तालमुद का बचाव किया।
- 1381 किसानों के विद्रोह का पहला सामूहिक विरोध ब्लैकहैड, इंग्लैंड में शुरू हुआ, जिसमें लोलार्ड पुजारी जॉन बॉल ने एक भीड़ से पूछा, जब एडम ने ईव को हटा दिया था और हवलदार था, तब वह सज्जन कौन थे?
- 1653 गैबार्ड का नौसैनिक युद्ध इंग्लैंड के कॉमनवेल्थ और संयुक्त प्रांत के बेड़े के बीच सफ़ोल्क, इंग्लैंड के तट पर गबार्ड शोले के पास प्रथम एंग्लो-डच युद्ध के दौरान हुआ। डच कुल 17 जहाजों में हारने के साथ लड़ाई समाप्त हो गई, जिनमें से 6 डूब गए और 11 को पकड़ लिया गया।
- 1665 न्यू एम्स्टर्डम कानूनी तौर पर ब्रिटेन का हिस्सा बना और यॉर्क के ड्यूक के नाम पर इसका नाम न्यूयॉर्क रखा गया।
- 1691 पोप अलेक्जेंडर (आठवें) के जगह इन्नोसेंट (बारहवें) पोप बने।
- 1776 फिफ्थ वर्जीनिया कन्वेंशन ने अधिकारों की घोषणा को स्वीकार किया, एक बेहद प्रभावशाली दस्तावेज जो कि अंतर्निहित अधिकारों की घोषणा करता है।
- 1787 अमेरिकी कानून पारित किया गया, सेनेटर प्रदान करने के लिए कम से कम 30 वर्ष का होना अनिवार्य किया गया।
- 1798 मेजर-जनरल जॉर्ज नुगेंट और हेनरी मुनरो के नेतृत्व वाले स्थानीय संयुक्त आयरिशवासियों के नेतृत्व में ब्रिटिश सेनाओं के बीच 1798 के आयरिश विद्रोह के दौरान, बल्लीनाहिन की लड़ाई, काउंटी डाउन के बाहर लड़ी गई थी। शुरुआती रिपोर्टों में दावा किया गया था कि चार सौ विद्रोही मारे गए थे, जबकि ब्रिटिश नुकसान चालीस के आसपास थे।
- 1817 जर्मन आविष्कारक कार्ल ड्रैस मैनेंहिम में अपना बांका घोड़ा साइकिल का सबसे प्रारंभिक रूप चलाया।
- 1830 फ्रांस ने अल्जीरिया के उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया शुरु की थी।
- 1852 ताइपिंग विद्रोह- ताइपिंग बलों ने हुनान में प्रवेश किया।
- 1864 यूनियन जनरल उलेइसेस एस। ग्रांट ने अपने सैनिकों को हनोवर काउंटी में कोल्ड हार्बर से निकाला, जो अमेरिकी गृहयुद्ध में सबसे खून से लथपथ लड़ाईयों में से एक था।
- 1889 रनवे यात्री गाड़ियां उत्तरी आयरलैंड के एक वर्तमान ट्रेननियर अराघ से टकराईं, जिसमें 80 लोग मारे गए।

समर्पण के साथ किया गया हर कार्य सफल होता है।

निशाना

साथ हुए मतवाले !

ट्रंप और मस्क में ।
हो गया करार ।।
ना करेंगे झगड़ा ।
आगे इस प्रकार ।।
नफे और नुकसान का ।
होगा रखना ध्यान ।।
ना होगी अब गलती ।
करना तय सम्मान ।।
खाना पीना फिर से ।
शुरु करने वाले ।।
आएंगी तस्वीरें ।
साथ हुए मतवाले ।।
है व्यापार जगत को ।
शुभ ये समाचार ।।
साथ साथ फिर से ।
होगा शुरु प्रचार ।।

-कृष्णेन्द्र राय

साइबर अपराधियों के बढ़ते हौसले, आमजन में शिकायत की जानकारी का अभाव

■ डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देश दुनिया में साइबर अपराध के बढ़ते आंकड़े जहां चिंतित करने वाले हैं वहीं यह और भी आश्चर्यजनक और चिंताजनक हालात है कि लाख अवेयरनेस प्रोग्राम व मीडिया में आये दिन साइबर ठगी के समाचारों की भरमार के बावजूद देश में केवल 18 फीसदी लोग ही ऐसे हैं जिन्हें साइबर अपराध होने पर उसकी शिकायत कहां और कैसे करनी है कि जानकारी है। यह तो सरकारी आंकड़ा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जनवरी-मार्च, 2025 में कराये गये ताजातरीन सर्वे से यह आंकड़ें प्राप्त हुए हैं। दूसरी और यूपीआई से भुगतान में खासा बड़ोतरी हुई हैं। आज ठेले पर सब्जी बेचने वाले से लेकर दो-पांच रुपए का सामान विक्रेता भी आसानी से यूपीआई से भुगतान प्राप्त कर रहा है। 2022-23 में जहां केवल 38 फीसदी लोग ऑनलाइन पेमेंट करते थे वह आज बड़कर 50 प्रतिशत के लगभग हो गया है। वास्तविकता तो यह है कि आज ऑनलाइन पेमेंट करना लोगों की आदत में आ गया है। जेब में रुपया-पैसा रखना या कहीं जाते समय साथ पैसा लेजाना लोगों की आदत में अब लगभग नहीं ही रहा है। पर तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि साइबर अपराधियों के हौसले बुलंद है और पिछले तीन सालों में ही साइबर अपराध के आंकड़ें तीन गुणा बड़ गए हैं। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आज मोबाइल पर किसी का नंबर डायल करते ही पहले साइबर अपराध से सचेत रहने की कॉलर ट्यून सुनने को मिलती है और उसके बाद बात होती है।

मोबाइल पर नंबर मिलाते ही नहीं अपितु सोशियल मीडिया के प्लेटफार्म खासतौर से इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि पर आजकल साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन या ब्लेक मेलिंग से सतर्क रहने का संदेश सुनने को मिलता है। इतने के बावजूद ठगी के आंकड़ें चेताने वाले हैं। मजे की बात यह है कि साइबर ठगी के इन रुपों से सबसे अधिक शिकार पड़े लिखे और

समझदार लोग ही हो रहे हैं। लाख समझाइस के बावजूद एक और ठगों के हौसले बुलंद है तो ठगी के शिकार होने वाले लोगों की संख्या और राशि में मल्टीपल बड़ोतरी हो रही है। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह होता जा रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड, राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए।ऐसा नहीं है कि साइबर अपराध केवल और केवल भारत में हो रहे हैं अपितु यह विश्वव्यापी समस्या होती जा रही है। दुनिया के देशों में देखा जाए तो साइबर ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान तो यूक्रेन दूसरे स्थान पर है। इनके बाद चीन, अमेरिका, नाइजेरिया और रोमानिया का नंबर आता है। इससे एक बात तो साफ हो जाती है साइबर ठगों सारी दुनिया में सहज पहुंच है। लोगों की गाड़ी कमाई को हजम करने में इन्हें विशेषज्ञता हासिल है। लोगों की कमजोरी को यह समझते हैं और उसी कमजोरी के चलते पड़े लिखे और हौशियार लोगों को भी आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। जाल ऐसा की यह समझते हुए कि ऐसा आसानी से होता नहीं है फिर भी चक्कर में फंस ही जाते हैं और ठगों के आगे सरेण्डर होकर लुट जाते हैं। हमारे देश में साइबर ठग या तो किसी तरह का लालच देकर लिंक भेजकर ठगी करते हैं या फिर ड़रा धमकाकर आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। सरकार प्रचार के सभी माध्यमों से बार बार व लगातार आगाह कर रही है कि ठगों द्वारा ड़राने वाले तरीके वास्तविक नहीं है। बैंक कभी भी बैंक डिटेल या ओटीपी ऑनलाइन नहीं मांगते पर पता नहीं कैसे ठगों के जाल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई लुटा बैठते हैं। ओटीपी दे देते हैं तो लिंक खोलने के लिए लाख मना करने के बावजूद लिंक खोलकर लुट जाते हैं। पुलिस अधिकारी बन कर जिस तरह से डिजिटल अरेस्ट कर ठगी का रास्ता अपनाया जा रहा है उस संबंध में अवेयरनेस अभियान के बावजूद ठगी का शिकार होने वालों की संख्या या राषि में कमी नहीं हो रही है। डिजिटल अरेस्ट में डॉक्टर, रिटायर्ड जज, प्रोफेसर, प्रशासनिक अधिकारी सहित संभ्रात वर्ग के लोगों को आसानी से जाल में फंसाकर ठगी हो रही हैं वह भी करोड़ों तक की ठगी के उदाहरण मिल रहे हैं। झूठे मामलों में परिजनों को फंसने से बचाने का झांसा देकर ठगी हो रही है। मजे की बात यह है कि इस स्तर तक ड़र या भयाक्रांत हो जाते हैं कि किसी अन्य या पुलिस से समस्या साझा करने की हिम्मत भी नहीं कर पाते और ठगी के बाद हाथ मलते रह जाते हैं। डिजिटल अरेस्ट के मामलें तो दिनोंदिन बड़ते ही जा रहे हैं। दरअसल इसमें पुलिस, सरकारी जांच एजेंसी या प्रवर्तन निदेशालय के नकली अधिकारी बन कर इस कदर ड़रा देते हैं कि कई दिनों तक लगातार ऑडियो या वीडियो कॉल करके ठगी का शिकार बना लेते हैं।

ऐसा नहीं है कि सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी हो। सरकार व वित्तदायी संस्थाओं द्वारा मीडिया के माध्यम से सजग किया जा रहा है। इसके साथ ही झारखण्ड के बड़े केन्द्र जमातड़ा को लगभग समाप्त कर ही दिया है। पर देष में 74 हॉट स्पॉट विकसित हो गए हैं। इनमें हरियाणा का नूंह, राजस्थान का डीग, झारखण्ड का देवघर, राजस्थान का अलवर और बिहार का नालंदा पहले पांच हॉट स्पॉट हो गए हैं। मीडिया द्वारा भी समय समय पर स्ट्रिंग कर इस तरह के केन्द्रों को एक्सपोज किया है पर ठगी कम होने को ही नहीं है। दरअसल आमनागरिकों को भी सजग होना ही होगा। अनजान नंबरों पर बात ही ना करें। ज्योंही कोई डराये धमकायें तो बहकावें में आने के स्थान पर पड़ताल करें। इस तरह के हालात सामने आये तो परेशान होने के स्थान पर परेशानी को साझा करें, पुलिस का सहयोग लेने में भी संकोच ना करें। देखा जाए तो सजगता इस समस्या का समाधान हो सकती है। सबसे ज्यादा जरुरी यह हो जाता है कि लाख सजगता के बावजूद भी यदि साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं तो उस स्थिति में बिना किसी घबराहट और संकोच के कहां ओर कैसे शिकायत की जा सकती है इसकी जानकारी देने के लिए सरकारी संस्थाओं के साथ ही गैरसरकारी संगठनों को भी आगे आना होगा नहीं तो साइबर अपराध का जिस तरह से दायरा दिन दूनी रात चौगुनी गति से बढ़ रहा है उस पर अंकुश नहीं लग सकेगा।

(साभार-यह लेखक के अपने विचार हैं।)

ब्लड डोनेट का एक छोटा सा प्रयास किसी जरूरतमंद को दे सकता है नया जीवन

- यूथ बोले रक्तदान महादान इससे हम दूसरों का जीवन बचा सकते हैं
- तेन्दूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन
- सीबीएमओ डॉ आर आर बागरी ने कहा डरे नहीं मानवता के लिए करते रहे रक्तदान

विशाल रजक तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

रक्तदान के बाद शरीर मे किसी भी तरह की कमजोरी नहीं आती है ये केवल एक भ्रांति है रक्तदान के बाद न ए ब्लड सेल्स बनते हैं और हमें यह कई बीमारियों होने से बचाता भी है ऐसे ही विशेष जानकारी तेन्दूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पदस्थ सीबीएमओ डॉ आर आर बागरी द्वारा रक्तदान शिविर के दौरान दी है उन्होंने बताया कि अगर हमारा एक छोटा सा प्रयास अगर किसी

जरूरतमंद को जीवन दे सकता है तो हमें हमेशा प्रयास करते रहना चाहिए। दरअसल जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर जिले भर में चलाएं जा रक्तदान अभियान के तहत तेन्दूखेड़ा नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें युवाओं ने बड़े उत्साह से भाग लिया और ब्लड डोनेट किया साथ ही लोगों को रक्तदान कर लोगों को जिदंगी बचाने के लिए प्रेरित किया गया जहां शिविर में 10 लोगों के द्वारा रक्तदान किया गया जहां नगर में रक्तदान शिविर में पहुंचकर लोगों ने रक्तदान किया और लोगों को भी रक्तदान करने जागरूक किया गया। रक्तदान शिविर में जनपद सीईओ मनीष बागरी ने अपना 22 वां रक्तदान दिया इसके अलावा डॉ अमित बिरथरिया, अमित साहू, सुशील सोनी, सोनू बेन, दिनेश लोधी संजय जैन लक्ष्मी पनिका आदि ने रक्तदान किया।

एक स्वस्थ व्यक्ति साल में 4 बार रक्तदान कर सकता है

तेंदूखेड़ा सीबीएमओ डॉ आर आर बागरी ने बताया कि एक स्वस्थ व्यक्ति साल में 4 बार रक्तदान कर सकता है। 18 से 50 वर्ष तक व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। जिसका हीमोग्लोबिन 12.5 ग्राम से अधिक हो वही रक्तदाता बन सकता है। रक्तदान के 7 दिन बाद रक्त रिकवर हो जाता है। इसके अलावा हार्ट डिसीज, डायबिटीज का मरीज, मिर्गी के मरीज रक्तदान नहीं कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अटल विहारी बाजपेई दिव्यांग खेल प्रशिक्षण केन्द्र ग्वालियर में मुफ्त ट्रेनिंग

नर्मदापुरम। अटल विहारी बाजपेई दिव्यांग खेल प्रशिक्षण केन्द्र ग्वालियर, सामाजिक न्याय अधिकारता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मध्यप्रदेश के दिव्यांगजनों के लिए निशुल्क एक वर्षीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम उन दिव्यांगजनों के लिए है जो पैरा खेलों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेना चाहते हैं। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी नर्मदापुरम ने बताया कि प्रवेश के लिए 12 वर्ष से अधिक के शारीरिक दिव्यांग, पोलियो, अंगभंग, सेरेब्रल पाल्सी, बोनापन, दृष्टिबाधित को खेलो में प्रवेश दिया जा रहा है। जिले के इच्छुक उम्मीदवार उक्त प्रशिक्षण में भाग लोना चाहते है वे निर्धारित तिथियों पैरा एथलेटिक्स के लिए 16 जून 2025 को, पैरा बैडमिंटन के लिए 16 जून 2025, पैरा फुटबॉल के लिए 17 जून 2025 (सीपी फुटबॉल, एम्प्यूटी फुटबॉल, ब्लाइंड) को, पैरा टेबल टेनिस के लिए 17 जून 2025 को, पैरा तैराकी के लिए 18 जून 2025 को एवं पैरा वॉलीबॉल के लिए 18 जून 2025 को भाग ले सकते है।

जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह का आज होगा नर्मदापुरम आगमन

नर्मदापुरम। प्रदेश के लोक निर्माण विभाग मंत्री तथा नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह बुधवार 12 जून को नर्मदापुरम आ रहे है। प्रभारी मंत्री गुरुवार सायं 04 बजे छिंदवाड़ा से नर्मदापुरम जिले के लिए प्रस्थान करेंगे। सायं 07.00 बजे पचमढ़ी में प्रभारी मंत्री श्री सिंह का आगमन होगा। प्रभारी मंत्री गोल्फ व्यू होटल में रात्रि विश्राम करेंगे।

पूर्व सैनिकों, विधवाओं को वार्षिक जीवन प्रमाणपत्र जमा करने विशेष अभियान

नर्मदापुरम। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय नर्मदापुरम द्वारा पूर्व सैनिकों/विधवाओं एवं उनके आश्रितों के लिए एक विशेष अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत, पूर्व सैनिकों और उनकी पत्नियों का आधार, पैन, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी अपडेट किए जाएंगे। जिससे पेंशन प्राप्त करने के लिए स्पर्श में वार्षिक जीवन प्रमाण पत्र अपडेट करने में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह अभियान 16 जून 2025 से 20 जून 2025 तक जिला सैनिक कल्याण कार्यालय नर्मदापुरम में आयोजित किया जाएगा। तत्संबंध में कमाण्डर अनुराग सक्सेना (से.नि.) जिला सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा पूर्व सैनिकों और विधवाओं को सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक अपना डाटा अपडेट करवाने के लिए उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है।

विधायक सिंह ने पलकमती नदी पर हो रहे निर्माण कार्यों का किया औचक निरीक्षण

नर्मदापुरम। तहसील मुख्यालय सोहागपुर में पलकमती नदी पर डेम एवं घाट निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। जिससे नगर वासियों को आने वाले समय में बहुत सुविधा मिलेगी। पलकमती नदी पर चल रहे निर्माण कार्य का सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह ने बुधवार को औचक निरीक्षण किया एवं निर्माण कार्य को लेकर संबंधित अधिकारियों से चर्चा की । इस दौरान सोहागपुर विधायक ने अधिकारी सहित ठेकेदार को समय सीमा में उच्च गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के लिए निर्देश दिए। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशवंश पटेल, नपा उपाध्यक्ष आकाश रघुवंशी, मंडल अध्यक्ष अश्वनी सरोज, वरिष्ठ नेता विजय छाबड़िया, पार्षदगण गौरव पालीवाल, रविशंकर उईके राकेश चौरसिया जगदीश अहिरवार, लखन रघुवंशी, नीलेश खंडेलवाल आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कमिश्नर ने ली विभिन्न विभागों की संभागीय समीक्षा बैठक

कृषि विभाग अमानक खाद-बीज की जांच कर विक्रेताओं पर सख्त कार्रवाई करे : तिवारी

- सभी सहकारी बैंक राजस्व वसूली की गति बढ़ाएं व वसूली राशि बैंक में जमा करें
- स्मार्ट फीश पार्लर बनाने की कार्यवाही में तेजी लाई जाए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कृषि विभाग के अधिकारी अमानक खाद बीज के सैंपल लेकर उसे जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजें एवं अमानक खाद बीज का विक्रय करने वाले विक्रेताओं के विरोध सख्त एवं प्रभावशील कार्रवाई करना भी सुनिश्चित करें। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने बुधवार को किसान कल्याण एवं कृषि विभाग सहकारिता विभाग , जिला मत्स्य विभाग ,पशु चिकित्सा सेवाएं, जिला उद्यानकी विभाग एवं मार्कफेड विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक में दिए। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि कृषि विभाग मृदा परीक्षण लैब में सॉइल टेस्टिंग दिए गए लक्ष्य के अनुरूप समय सीमा में पूरा करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए की कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी गण किसानों को मूंग की बजाय मक्का की फसल लगाने के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करें। किसानों को कमांड एरिया के आसपास मक्का लगाने के लिए प्रोत्साहित करें। नदी के किनारे मक्का की पैदावार एवं क्षमता ज्यादा होती है। कमिश्नर ने कहा कि मक्का की फसल लगाने से मिट्टी की उर्वरक शक्ति बढ़ेगी। भूमि को भी रेस्ट मिलेगा। नहर की साफ सफाई एवं मरम्मत भी समय सीमा में हो सकेंगी। उन्होंने कहा की फसल चक्र के अनुसार किसान मक्का की फसल लेवे।

डीएपी का विकल्प है टीएसपी एवं यूरिया बैग

उपसंचालक कृषि जे आर हेडाऊ ने बताया कि डीएपी का सबसे बेहतर विकल्प टीएसपी प्लस आधा बोरी यूरिया बैग है। इसको मिलाने से 46त्न फास्फोरस , 23त्न नाइट्रोजन मिलेगा। इसमें टीएसपी की कीमत 1300 एवं आधा बोरी यूरिया की कीमत 85 पड़ती है। कुल 1385 रुपए में डीएपी का बेहतर विकल्प तैयार किया जा सकता है। उन्होंने सभी किसानों से उक्त विकल्प को अपनाने का सुझाव दिया।

कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी सहकारी बैंक के अधिकारियों को निर्देश दिए की वह राजस्व वसूली की गति बढ़ाएं। साथ ही राजस्व वसूली में सहयोग करने वाले राजस्व अधिकारियों को क्रिस्प योजना के अंतर्गत प्रोत्साहन राशि भी देवे। बताया गया कि कुछ बैंक की रिकवरी का प्रतिशत 30 से 35 है एवं कुछ बैंक की रिकवरी का प्रतिशत 70 से 75 प्रतिशत तक है। कमिश्नर श्री तिवारी ने राजस्व वसूली करने के पश्चात वसूली राशि बैंक में जमा ना करने की कतिपय शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तीनों जिलों के डीआरसीएस को निर्देश दिए कि वह यह सुनिश्चित करें कि अधीनस्थ कर्मचारी वसूली की राशि बैंक में जमा करें ऐसा न करने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध

एफआईआर की कार्रवाई की जाए। उल्लेखनीय है कि सीएम हेल्पलाइन में कुछ प्रकरण ऐसे भी लगे हैं जहां पर हितग्राहियों का कहना है कि उन्होंने ऋण राशि की किस्त कर्मचारियों को दे दी थी लेकिन कर्मचारियों ने उक्त राशि बैंक में जमा नहीं की।

कमिश्नर श्री तिवारी ने मत्स्य विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की नर्मदा पूरम संभाग में 27 स्मार्ट फिश पार्लर बनाए जाने हैं। नर्मदापुरम , हरदा एवं बैतूल में क्रमशः 9-9 फीस पार्लर बनाए जाने हैं , इसके लिए उन्होंने स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए। बताया गया कि स्मार्ट फिश पार्लर बनाने के लिए कुछ स्थान चिन्हित किया गया है। इसके लिए शासन से बजट भी मिल चुका है। 10 बाय 10 की जगह मैं 5 लाख रुपए की राशि की यूनिट डालनी है। स्मार्ट फिश पार्लर में पानी की , फ्रिज की एवं बैठने की व्यवस्था रहेगी।

चलित पशु उपचार एंबुलेंस 1962 का व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए

कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाओं को निर्देश दिए की वे चलित पशु उपचार एंबुलेंस 1962 का व्यापक प्रचार प्रसार करना सुनिश्चित करें। चलित पशु एम्बुलेंस पशु पालकों के घर-घर जाकर बीमार पशुओं का उपचार करती है। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी पशु चिकित्सालय भी अपने निर्धारित समय पर खुले। उन्होंने स्वालंबी गौशाला योजना के तहत ग्राम बाबरी में बनाए जाने वाले पशु गौशाला के संबंध में विस्तृत समीक्षा की। बताया गया की स्वालंबी गौशाला योजना के लिए हर जिले में 125 एकड़ जमीन चिन्हित की जाएगी तथा 5 एकड़ जमीन कमर्शियल यूज के लिए चिन्हित की जाएगी। कुल 130 एकड़ जमीन पर पशु गौशाला का निर्माण कार्य किया जाएगा। नर्मदापुरम जिले में ग्राम बाबरी में एवं बैतूल जिले में शाहपुर में स्वालंबी गौशाला का निर्माण कार्य प्रस्तावित है।

दुग्ध प्रोडक्ट को बढ़ावा देने के लिए डॉ भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना संचालित

बैठक में उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉक्टर शैलेश नेमा ने बताया कि दूध प्रोडक्ट को बढ़ावा देने की उद्देश्य से डॉक्टर भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना सभी जिलों में संचालित की जा रही है। इसके लिए बैंक से गोपालकों को अनुदान राशि स्वीकृत कराई जाएगी इसके अंतर्गत भैंस एवं गाय पालन हेतु निर्धारित पशु संख्या एवं जमीन निर्धारित की गई है। जिन गोपालको के पास 25 पशु एवं साढ़े तीन एकड़ जमीन है। उन्हें इस योजना का लाभ प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त 200 पशु यूनिट में भी अनुदान का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि मुर्गी पालन एवं बकरी पालन के लिए भी विभाग में योजना संचालित है। कमिश्नर श्री तिवारी ने पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह पशुपालकों से सद् व्यवहार करें और बेहतर सर्विस देवे।

सारा ऐप पर उद्यानकी एवं श्री अन्न फसलों की गिरदावरी अपलोड की जाएगी

कमिश्नर श्री तिवारी ने उद्यानिकी विभाग की योजनाओं की समीक्षा की । बताया गया कि मसाला विस्तार परिक्षेत्र में शासन से लक्ष्य प्राप्त हुआ है उसके अनुसार लक्ष्य की प्राप्ति समय सीमा में कर ली जाएगी। जल गंगा अभियान के अंतर्गत यदि कोई व्यक्ति पौधा रोपण करना चाहता है तो वे नर्सरी में नॉमिनल शुल्क देकर पौधा प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए अलग-अलग फलदार पौधों के लिए अलग-अलग दर निर्धारित की गई है। बताया गया कि सारा ऐप पर उद्यानकी फसलों एवं श्री अन्न वाली फसलों की गिरदावरी की जानकारी अपलोड की जाएगी। इसी तरह एमपी किसान पोर्टल में कृषि एवं उद्यान की फसलों का लाभ प्राप्त करने वाले किसानों का पंजीयन किया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग ने कमिश्नर कार्यालय में आयोजित किया स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

- शिविर में 78 अधिकारी और कर्मचारियों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कमिश्नर कार्यालय नर्मदापुरम में बुधवार, 11 जून को स्वास्थ्य विभाग द्वारा कमिश्नर कार्यालय में कार्यरत अधिकारी कर्मचारियों के लिए सीएमएचओ एवं सिविल सर्जन के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया

गया। इस शिविर में कमिश्नर कार्यालय में कार्यरत 78 अधिकारी और कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच की गई। जिसमें नेत्र जांच, ईसीजी जांच, ब्लड सैंपल, टीबी स्क्रीनिंग और चेस्ट एक्स-रे जैसी विभिन्न स्वास्थ्य जांच की गई।

स्वास्थ्य विभाग की टीम में डॉ. रिचा गौर (नेत्र विशेषज्ञ), डॉ. अनीता मसराम (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. शिल्पा सिंह, डॉ. लवीना और डॉ. बसंत कुमार डीआरपी चिकित्सक शामिल थे। नर्सिंग स्टाफ से निधि पटवा, नितेश फार्मासिस्ट, विशेष दुबे डीपीसी विक्रम पटेल एसटीएलएस, श्याम सराठे टेक्नीशियन, वर्षा शर्मा रेडियोग्राफर ,राहुल राय, जीवन कटारे ने भी शिविर में सक्रिय भूमिका निभाई। शिविर में कमिश्नर कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारियों का पूर्ण सहयोग मिला।

'लालन-पालन' विषय पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

इटारसी, दोपहर मेट्रो

बुधवार को शहरी ब्लॉक में 'लालन-पालन' विषय पर मनोवैज्ञानिक जिज्ञासा, अंशिका, एडीसी निशा प्रणामी, आदर्श मिश्रा, सुपरवाइजर दीप्ति दुबे, सुपरवाइजर रिसर्च अस्सिटेंट इशिता गर्ग, साक्षी यादव इंटर्न ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने इस प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी दिखाते हुए इसे सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। जहां संभव हो सका, सभी विषयों को प्रशिक्षण में शामिल करने का प्रयास किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कोई बड़ी चुनौतियां नहीं आईं, लेकिन कुछ

छोटी-छोटी बातों पर टीम का ध्यान देना आवश्यक है, जैसे प्रशिक्षण की तैयारी, समय प्रबंधन, व्यवस्थापन, प्रस्तुति कौशल एवं विषय की जानकारी आदि। यह एक पायलट प्रशिक्षण था, जिससे कई बातें सीखने को मिलीं।

इटारसी की सीडीपीओ इंचार्ज श्रीमती दीप्ति शुक्ला, सुपरवाइजर श्रीमती अर्चना बस्तावर, श्रीमती पूनम मौर्य, श्रीमती मीना गांठले, श्रीमती राखी मौर्य, ब्लॉक कॉर्डिनेटर सुश्री हिना खान ने इस ईसीडी प्रशिक्षण को सफल बनाने में सहयोग और मार्गदर्शन दिया। आज के प्रशिक्षण में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की संख्या 20 रही। इस प्रकार, आज का प्रशिक्षण डॉक्टर वंदना शुक्ला के सहयोग से सफलता से हुआ।

मेट्रो एंकर तारादेही रेंज के अंतर्गत जामुन वीट में लगभग 15 सालों से वन भूमि पर 40 लोगों ने कर रखा था अतिक्रमण

वन अमले ने जेसीबी की मदद से 210 एकड़ विभाग की जमीन से हटाया अवैध कब्जा

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

तारादेही रेंज के अंतर्गत जामुन वीट के तहत वन अमला ने लगभग 15 सालो से अधिक जंगल की 210 एकड भूमि पर काबिज लगभग 40 लोगो का जेसीबी मशीन से एक ही दिन में कब्जा हटाया गया है। इसके बाद अव मुक्त की जमीन पर पौधा रोपण वन अमला के द्वारा किया जाएगा।

इसके अलावा वर्तमान में भी जंगल की जमीन से कब्जा हटाने की कार्यवाही चल रही है। ज्ञात हो कि जामुन वीट में जंगली की जमीन पर लोगो के द्वारा कब्जाकर लम्बे समय से खेती की जा रही थी। साथ ही वर्तमान में भी खेती किए जाने के प्रयास किए जा रहे थे। लेकिनं डीएफओ दमोह के आदेशानुसार जंगल की जमीन से कब्जा हटाने की मुहिम के चलते सभी रेंजो में जंगल की जमीन से कब्जा हटाया जा रहा है। इस दोरान वन अमला ने जेसीबी मशीन से अस्थाई छोपडियों को तोड़ा गया है। साथ ही मेंडो एवं पत्थरो की खकरियों को भी हटाया गया है।

तारादेही रेंजर दवेवेन्द्र गुर्जर ने बताया है कि वनविभाग के द्वारा

जंगल की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्यवाही के तहत जामुन वीट में लम्बे समय से कब्जाकर खेती की जा रही थी। जिसका कब्जा हटाया गया है। इस दौरान जामुन ग्राम के ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा है। इसके अलावा कब्जा धारियों ने भी कब्जा हटाने को लेकर किसी भी प्रकार का विरोध नहीं किया है।

कब्जा से मुक्त कराई गई जमीन पर पौधो का रोपण कराए जाने का प्रस्ताव बनाया जा रहा है। साथ ही बरसात में यहां पर पौधो का रोपण किया जाएगां।

तालाब से फिर उत्खनन शुरु,कलेक्टर के निर्देश पर इंजीनियर ने करवाया बंद

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज। नगर के प्राचीन तालाब में नियमों को दरकिनार करके कई दिनों से कोपरा निकाल कर अवैध रूप से कट रही कॉलोनी में सप्लाई करके लाखों रुपए की कमाई की जा रही थी। समाचारों में पूरे मामले को लगातार उठाया जा रहा है, मामला मीडिया में आने के बाद दो दिन से काम बंद हो गया था।

बुधवार से फिर तालाब में से कोपरा निकाल अवैध रूप बनाई जा रही कॉलोनी में बड़े डंफरों एवं ट्रैक्टर-ट्रॉली से सप्लाई शुरू कर दिया इसकी जानकारी जैसे ही कलेक्टर अंशुल गुप्ता को लगी इसके बाद उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल तालाब में खुदाई कार्य काम को बंद करवाने ओर तालाब का समतलीकरण करने के निर्देश एसडीएम को देते हुए कहा की

जितनी भी अवैध कॉलोनी में कोपरा निकाल कर डाल डाला गया उनके खिलाफ भी जांच करके कार्रवाई करने के निर्देश दिए तो एसडीएम तत्काल नगर पालिका इंजीनियरिंग को लेकर मौके पर पहुंचे उन्होंने यहां से डंफरो ओर ट्रैक्टर ट्रालियों को हटवाते हुए काम को रूकवाते हुए कहा कि सबसे पहले को सभी जगह की लेबलिंग कराई जाए किसी भी अवैध कॉलोनी में कोपरा सप्लाई किया तो कार्रवाई करेंगे नगर पालिका इंजीनियर सौरभ श्रीवास्तव ने बताया कि तालाब में खुदाई काम पूर्ण बंद करवा दिया गया है केवल अब हम इसको समतल करवाएंगे इसके निर्देश भी ठेकेदार को दे दिए हैं। पिछले कई दिनों से नियम कायदे कानून ताक पर रखकर बगैर एटीपी के 30 लाख से अधिक कोपरा निकाल कर अबैध रूप से बनाई जा रहे हैं कॉलोनी में सप्लाई करके उनको फायदा पहुंचाने का काम भी किया गया इसके बदले में अन्य लोगों का भी बड़ा फायदा हो गया।

गहरीकरण के नाम पर हुए गोलमाल की निष्पक्ष जांच हो जाए तो बडी गड़बड़ी सबके सामने आ जाएगी वैसे ही गहरीकरण और विकास के नाम पर तालाब से केवल भ्रष्टाचार हो रहा है। कई सालों से तालाब कमाई का जरिया बना हुआ है । वहीं तालाब का विकास तो आज तक नहीं हो पाया पर कई लोगों का जरूर फायदा इसकी आड़ में हर साल होता है।

मंडी का निरीक्षण करने पहुंचे एसडीएम

भोजन वितरण में मिला फर्जीवाड़ा, टेंडर निरस्त कर प्रकरण दर्ज कराने दिए निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

बुधवार को कृषि उपज मंडी का औचक निरीक्षण करने के लिए एसडीएम हर्षल पहुंचे तो बड़ा गोलमाल उनके सामने उजागर हो गया सरकार की रसोई योजना में पलीता लगाने का काम यहां पर हो रहा था इसके बाद उन्होंने संचालक पर तत्काल मामला दर्ज करने और टेंडर समाप्त करके निर्देश भी दिए ।

इसके बाद टेंडर लेने वाले तथा मंडी के कई अधिकारियों, कर्मचारियों के चेहरों की रंगत बदल गई थी यहां पर महीने से किसानों के नाम पर इस खेल को अंजाम देकर लाखों का गोलमाल किया गया है जांच के बाद इनकी पोल खुली यहां लोग कई महीनो से इस काम को है अंजाम दे रहे थे। वहीं सरकार के द्वारा कृषकों को मंडी में रियायती दरों पर भोजन उपलब्ध कराने वाली कैंटीनों पर एसडीएम जब पहुंचे और वहां पर उपलब्ध भोजन को देखा तो मौके पर 15 से 20 लोगों का खाना ही उपलब्ध था जबकि इनके रजिस्टर में प्रतिदिन 400 से अधिक किसानों को भोजन करने का रिकॉर्ड दर्शा कर किसानों के नाम पर बड़े गोलमाल को अंजाम दिया जा रहा है। जिसको देखकर एसडीएम ने संचालक को तत्काल फटकार लगाते हुए कहा कि इस तरह की लापरवाही किसी हालात में बर्दाश्त नहीं की जाएगी कृषकों के नाम पर इतना बड़ा गोलमाल हो रहा है इस पर उन्होंने मंडी के सचिव और अधिकारियों को भी खूब खरी-खोटी सुनाते हुए कहा कि किसानों के नाम पर फर्जीवाड़ा हो रहा है कोई देखने के लिए नहीं आ रहा है।

आंखें बंद करके भुगतान कर रहे हो इसके बाद उन्होंने सबसे पहले टेंडर निरस्त किया जाए इसके बाद शासन की राशि का

दुरुपयोग करने पर प्रकरण दर्ज करवाया ने के निर्देश भी दिए है । एसडीएम को 1:30 के करीब यहां पर पहुंचे थे और उन्होंने देखा रसोई में केवल छोटी सी डालियां में 10 से 15 किसानों को ही खाना नजर आ रहा था चार से पांच लोग उस यहां पर दौरान मौजूद थे भोजन वितरण रिकॉर्ड रजिस्टर में बड़ी संख्या में किसानों के नाम दर्ज थे एक दिन पहले रिकॉर्ड में 428 किसानों के नाम अंकित रजिस्टर में दिख रहे थे। सबसे बड़ी बात तो एक ही व्यक्ति के द्वारा अलग-अलग व्यक्तियों के साइन किए हुए ऐसा भी प्रतीत हो रहा था।

श्री चौधरी के सामने गड़बड़ी करने वालों की पोल भी खुल गई और कार्रवाई से बचने के लिए कैंटीन संचालक कई तरह के बहाने बना रहा था पर इसके बाद एसडीएम ने आसपास के लोगों और किसानों से जब इसकी सच्चाई जानने के के लिए इसे चर्चा की तो किसानों ने बताया कि हम यहां पर भोजन करने नहीं जाते हैं गिन चुने किसान ही पहुंचते हैं इतनी संख्या में किस कभी यहां पर नहीं आ सकते। रजिस्टर पर एक तरह के ही साइन दिखाई दे रहे है फर्जीवाड़ा करने के लिए इनके द्वारा नाम जरूर अलग-अलग किसानों के लिखे हुए हैं इतनी संख्या में किसान मंडी में आ नहीं रहे हैं उससे ज्यादा संख्या भोजन वितरण में किया जा रही है क्योंकि शासन से मंडी में रसोई की व्यवस्था की गई है गुणवत्ता के साथ भोजन नहीं मिलने से किसानों कैंटीन में खाना खाने नहीं आते अधिकांश किसान अपने घरों से भोजन लेकर आते हैं इस वजह से यहां पर खाना खाने बहुत कम किस पहुंचते है पर कागजों में जरूर किसानों के नाम दर्ज करके बड़े कारनामे को अंजाम दिया गया है।

इसकी बारीकी से जांच हो जाए तो कई मंडी कई अधिकारी कर्मचारियों की मिली भारत भी उजागर हो सकती है क्योंकि कैंटीन संचालक बिना इनकी सहमति के इतने बड़े गोलमाल नहीं कर सकता हैं यहां के रिकॉर्ड की जांच के बाद ही इनका भुगतान होता है कितने समय से गड़बड़ी हो रही है इसमें मंडी से कोई अधिकारी कर्मचारियों शामिल ना हो संभव नहीं है इन पर भी पर शासन की राशि का दुरुपयोग करवाने पर कड़ी कार्रवाई होनी चहिए कई महीनो से इस खेल इस तरह से फर्जी काम करके लाखों रुपए भी निकल गए हैं उनकी भी वसूली होनी चाहिए गड़बड़ झाला उजागर होने पर एसडीएम ने कैंटीन संचालक पर तत्काल टेंडर निरस्त करने के अलावा थाने में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश भी मंडी के अधिकारियों को दिए हैं। अब देखना है मंडी प्रशासन एसडीएम के निर्देशों को कितने जल्दी अमल में लाकर किसानों के नाम पर छलावा करने संचालक और इसमें सांठगांठ करके इस काम को अंजाम दिलवाने वालों पर कार्रवाई होगी या नहीं या फिर कार्रवाई के नाम पर खाना पूर्ति करके मामले को दबा दिया जाएगा और मंडी में इसी तरह किसानों के नाम पर इ गोलमोल होता रहेगा।

कई महीनो से इस काम को यहां पर अंजाम दिया जा रहा है इसकी जानकारी मंडी के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को नहीं लगी या फिर यह जानकारी होने के बाद भी यह सब अनजान बनने का नाटक कर रहे हैं ।इनकी जानकारी के बगैर इतने बड़े गोलमाल को अंजाम दे पाना संभव नहीं नहीं है एसडीएम को इनको ऊपर भी ठोस करवाई करनी होगी तभी इस तरह के गोलमाल पर रोक लगेगी इसके अलावा पानी ,निकासी साफ साफाई लेकर अन्य व्यवस्थाओं को तत्काल ठीक करने के निर्देश देते हुए कहा बारिश के समय पानी भरने को समस्या उत्पन्न ना हो इसीलिए इस बात का विशेष ध्यान रखें व्यापारियों किसानों को पानी भरने से समस्या नहीं-चाहिए।

इनका कहना है

> किसानों के नाम पर मंडी में संचालित होने वाली रसोई में गड़बड़ी मिलने पर टेंडर निरस्त करने और मामला दर्ज करवाने के निर्देश मंडी सचिव को दिए हैं।
>
> - हर्षल चौधरी एसडीएम

बाल विवाह कराने पर परिजनों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

सिरोंज। विदिशा चाईल्ड हेल्पलाईन 1098 पर शिकायत प्राप्त हुई थी कि नाबालिग बालिका एवं बालक का बाल विवाह हुआ है। शिकायत को तत्काल

संज्ञान में लेते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनिता लोढा एवं सहायक संचालक श्रीमती आकांक्षा मरावी के निर्देशन में जांच हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग विदिशा से श्री मुकेश ताम्रकार को ग्राम गूलरखेड़ी गुलाबगंज भेजा गया। मौके पर बालिका के शैक्षणिक दस्तावेज में उम्र 16 वर्ष पायी गई। बालिका की मां द्वारा झूठी जानकारी दी गई थी कि मेरी बेटी का विवाह नहीं हुआ है। पड़ोसियों एवं आसपास जानकारी लेने पर ज्ञात हुआ कि बालिका का बाल विवाह हुआ है एवं बालक ग्राम घोसुआ थाना गुलाबगंज का निवासी है। टीम द्वारा ग्राम घोसुआ पहुंचकर बालक के शैक्षणिक दस्तावेज चेक किए गए। जिसमें बालक की उम्र भी 20 वर्ष पायी गई। बालक एवं बालिका दोनों की उम्र निर्धारित आयु सीमा से कम है। दोनों का बाल विवाह ग्राम सेमरा तहसील बैरसिया, जिला भोपाल में हुआ था। महिला एवं बाल विकास विभाग एवं एक्सेस टू जस्टिस फेस फोर की टीम प्रभारी सुश्री दीपा शर्मा द्वारा गुलाबगंज थाने में उपस्थित होकर बालक एवं बालिका के साक्ष्य एवं आयु संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत किये गए। सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती अनीता गुप्ता महिला एवं बाल विकास ग्यारसपुर द्वारा लिखित आवेदन एवं प्रतिवेदन दिया गया जिसके आधार पर गुलाबगंज थाने में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की धारा 9 एवं 10 के तहत परिजनों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज की गई है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, 30 जून तक लगेंगे शिविर

सिरोंज। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत जागरूकता और लाभ संतृप्ति शिविर का आयोजन विदिशा जिले में 15 जून से 30 जून तक किया जाएगा। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने बताया कि अभियान के क्रियान्वयन के लिए विदिशा जिले के 86 ग्रामों का चयन किया गया है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बताया कि ग्राम स्तरीयध्विकासखंड स्तरीय शिविर में मुख्यत निम्नलिखित योजनाओ यथा आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड (पीएम-जेएवाय), जाति प्रमाण पत्र, अधिवास प्रमाण पत्र, किसान केडिट कार्ड (केसीसी), पीएम-किसान, जन धन खाता, बीमा कवरेज (पीएमजेबीवाय, पीएमएसबीवाय), सामाजिक सुरक्षा (वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन), रोजगार और आजीविका योजनाएं (मनरेगा, पीएम विश्वकर्मा, मुद्रा ऋण), महिला और बाल कल्याण (पीएमएमव्हीवाय,आईसीडीएस लाभ, टीकाकरण), आदि। योजनाओ से चयनित 86 गामों के जनजातीय हितग्राहियो को लाभान्वित किया जाएगा। विदिशा जिले के 86 ग्रामों में 18 विभागों की 25 योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाएगा जिसमें जनपद पंचायत बासौदा के 79 ग्राम, ग्यारसपुर के दो ग्राम, लटेरी के 4 ग्राम और सिरोंज का एक आदिवासी बाहुल्य ग्राम शामिल है प्रत्येक गांव के लिए एक-एक नोडल अधिकारी इस प्रकार जिले के कुल 86 ग्रामों के लिए एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने अभियान के तहत शिविरों के सुव्यवस्थित रूप से क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत 15 जून से 30 जून 2025 ष्धरती आबा अभियान जागरुकता और लाभ संतृप्ति शिविर का आयोजन ग्राम स्तर एवं विकासखंड स्तर पर किये जाने हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) संबंधित जिला विदिशा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। संबंधित विभाग प्रमुखो को निर्देशित किया है कि संबंधित नोडल अधिकरियों से समन्वय कर शिविर कैलेण्डर अनुसार निर्धारित तिथि को

उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित

सिरोंज। जिला स्तरीय उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत सभी के लिए शिक्षा नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत एक दिवसीय जिला स्तरीय उल्लास नव भारत साक्षरता उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन विदिशा के डाइट भवन में किया गया। कार्यशाला में एपीसी संजय श्रीवास्तव जिला शिक्षा केन्द्र विदिशा द्वारा अक्षर पोथी से अक्षर साथियों से पढ़ाने की विधियों पर गहन प्रकाश डाला गया। वहीं 15 वर्ष से ऊपर के समस्त निरक्षरों को चिन्हांकित करने हेतु पाबंद किया गया है। सम्पूर्ण जिला साक्षर हो सामाजिक चेतना केंद्र संव्लन की विस्तृत जानकारी दी गई। उक्त अः शाला में जिला डाईट के प्रभारी रमेश ठाकुर एवं आरके जैन विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी एवं विकासखंड साक्षरता समन्वयक, एपीसी, बी ए सी उपस्थित रहे। साक्षरता केंद्र संचालन की गतिविधि आधारित कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अपील कीटी एलएम पोस्टर आदि तैयार कराए गए। खेल-खेल में गतिविधि आधारित शिक्षण कार्य पर प्रकाश डाला गया। कार्यशाला का समापन प्रमाण पत्र वितरण से हुआ है। झ के द्वारा 99 प्रकरण की संख्या दी गई है जबकि जिले में 121 अमृत सरोवर है अतः तहसीलदार लिस्ट से मिलान कर अग्रिम कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे।

अमृत सरोवरों का भौतिक सत्यापन कर भू अभिलेख में दर्ज करें

विदिशा। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले में जो भी नवीन संरचनाओं का निर्माण शासकीय योजनाओं के तहत कराया जा रहा है उन सब की जानकारी राजस्व अभिलेखों में अनिवार्य रूप दर्ज कराई जाएं। उक्त कार्य अभियान के रूप में क्रियान्वित करने के निर्देश उनके द्वारा दिए गए हैं। संयुक्त कलेक्टर एवं जिला नोडल अधिकारी सुश्री निकिता तिवारी ने बताया कि सभी तहसीलदारों को इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं के परिपालन में जिला पंचायत से प्राप्त अमृत सरोवर की लिस्ट का अवलोकन कर सभी तहसीलदार जल संरचना के भौतिक सत्यापन उपरांत भू अभिलेख में दर्ज करने हेतु निर्देशित किया गया है। सुश्री तिवारी ने बताया कि प्रकरण तैयार करते हुए भू अभिलेख में दर्ज समय सीमा में कराना सुनिश्चित करेंगे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान

ग्राम बिछिया और बरखेड़ा जागीर में शिविर का आयोजन हुआ

विदिशा, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले मे किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग तथा कृषि संबद्ध विभाग द्वारा खरीफ पूर्व विकसित कृषि संकल्प अभियान का संचालन 29 मई से 12 जून 25 तक किया जा रहा है। अभियान तहत आज बिछिया तहसील शमशाबाद तहसील के ग्राम बिछिया और बरखेड़ा जागीर में शिविर का आयोजन किया गया था। बिछिया गांव मेऔ आयोजित शिविर में स्थानीय तहसीलदार ने अपनी उपस्थिति में राजस्व विभाग से संबंधित जानकारियां सांझा की। वहीं अन्य विभागों के खंड स्तरीय अधिकारी कर्मचारियों ने आयोजन के उद्देश्यों व विभागीय योजनाओं, कार्यक्रमों को सांझा करते हुए किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

शिविर में कृषि वैज्ञानिक द्वारा

कृषि क्षेत्र में प्रगति के द्वार कैसे खोलें इसके लिए क्या करें, क्या ना करे से अवगत कराते हुए नवाचारों का खेतों में उपयोग करने का कृषकों से आव्हान किया है। अभियान के उद्देश्यों को रेखांकित कर खरीफ पूर्व तैयारी के लिए उन्नत एवं वैज्ञानिक तकनीकों , नवीन अनुसंधानों एवं राज्य सरकार की योजनाओं, प्राकृतिक खेती, जल प्रबंधन फसल विविधिकरण, पशुपालन, उद्यानिकी, मछली पालन एवं कृषि यंत्रीकरण की जानकारियों से अवगत कराया गया ताकि, कृषकों की आय में वृद्धि हो और वे सतत् कृषि पद्धतियों को अपना सकें। शिविर में किसानों को नरवाई ना जलाने के लिए प्रेरित करते हुए नरवाई जलाने से मिट्टी व पर्यावरण को होने वाले नुकसानों के बारे में बताया गया। साथ ही कृषक बंधुओं को नवीन किस्मो, फसल में आने वाले रोग कीट एवं रोकथाम की जानकारी दी, आईसीटी का उपयोग, डीएसआर, फसल विविधिकरण की नवीन तकनीकों से किसानो को अवगत कराया गया। खाद के वेकल्पिक नैनो यूरिया, नेनो डीएपी के उपयोग की अनुशंसा की।

डिजास्टर वार्निंग और रिस्पांस सिस्टम का पोर्टल एवं मोबाईल एप का प्रशिक्षण

विदिशा। मप्र में जुलाई 2021 से प्राकृतिक आपदाओं यथा अतिवृष्टि, ओलावृष्टि, भूस्खलन, आकाशीय बिजली इत्यादि के प्रबंधन का कार्य एमपीएसईडीसी के सहयोग से निर्मित डिजास्टर वार्निंग - रिस्पांस सिस्टम पोर्टल तथा मोबाईल एप के माध्यम से किया जा रहा है। वर्तमान में आगामी वर्षा ऋतु के पूर्व आपदा सुरक्षा की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए दर्स पोर्टल एवं मोबाईल एप का कार्यक्रम अनुसार ऑनलाइन वीसी के माध्यम से विदिशा जिले के प्रशिक्षणार्थियों हेतु 13 जून को टीम एमपीएसईडीसी द्वारा प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के राज्य समन्वयक सचिव श्रीमती कृष्णवेणी देशवतु द्वारा जारी दिशा निर्देश का हवाला देते हुए डिश डिस्ट्रिक्ट होमगार्ड कमांडेंट मंयक जैन ने बताया कि जिले में पदस्थ चिन्हित अधिकारियों कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने निर्देशित किया गया है।

मेट्रो एंकर विदिशा में रैम्प योजना के अंतर्गत एमएसएमई कार्यशाला का आयोजन

स्थानीय उद्योगों के लिए उत्पन्न होने वाली नई संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा एमएसएमई) के प्रदर्शन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेजिंग एंड एक्सलेरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैम्प) योजना के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सम्राट अशोक प्रौद्योगिकी संस्थान विदिशा के सभागृह में किया गया।

कार्यशाला में अतिथि के रूप में डी डी सेठिया प्रांत अध्यक्ष लघु उद्योग भारती, अश्विनी गुप्ता, अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती विदिशा, वरिष्ठ उद्योगपति श्री राकेश शर्मा, श्री वाय के जैन, डायरेक्टर एस ए टी आई, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक श्री अशोक श्रीवास्तव एवं जिला लीड बैंक मैनेजर श्री बघेल उपस्थित रहे।

कार्यशाला में रैम्प योजना के उद्देश्यों, मध्य प्रदेश सरकार की भूमिका और इस योजना के तहत स्थानीय उद्योगों के लिए उत्पन्न होने वाली नई संभावनाओं पर विस्तार से महाप्रबंधक श्री अशोक

श्रीवास्तव द्वारा जानकारी दी गई।

इस अवसर पर गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के विशेषज्ञ श्री राजीव दलेला ने ज़ेड योजना पर उद्यमियों को जागरूक किया और योजना के लाभ और क्रियान्वयन पर विस्तार से प्रकाश डाला और उद्योगों से ज़ेड सर्टिफिकेशन प्राप्त करने की प्रक्रिया को अपनाने का आग्रह किया।

सीए शिवानी लोधी द्वारा रैम्प योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। श्री अंकित कुमार सिंह, मास्टर ट्रेनर, मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति 2025 के बारे में विस्तारपूर्वक सभी उपस्थित उद्योगपतियों को अवगत कराया गया।

इसके अतिरिक्त, जेम पर श्री मुइज्जम ने एमएसएमई के लिए जेम (जेम) पोर्टल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस कार्यशाला में लघु उद्योग भारती के श्री हिमांशु कोठारी, श्री बलराम विश्वकर्मा जी, श्री रामकिशोरजी अग्रवाल, श्री मनीष सिंघई, श्री मोहन जैन, श्री अनुज मित्तल सहित जिले के विभिन्न उद्योगपति, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र से श्री अनूप दुबे प्रबंधक सहित कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं विभिन्न बैंकों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उपस्थित उद्यमियों ने इन योजनाओं को अपनाने हेतु एवं उद्योगों को नए आयाम देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्री प्रदीप मित्तल, संरक्षक, लघु उद्योग भारती विदिशा द्वारा किया गया।

बेंगलुरु भगदड़ के बाद होश में आया बोर्ड, विक्ट्री परेड पर नियम बनाने 14 को होगी अहम बैठक

आरसीबी पर बीसीसीआई लेगा सख्त फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत के बाद अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड एक्शन मोड में आ गया है। अब भारतीय बोर्ड आईपीएल जीत के बाद होने वाले जश्न के लिए नियम बनाने की तैयारी कर रहा है। यह मुद्दा शनिवार को होने वाली बीसीसीआई की 28वीं एपेक्स काउंसिल मीटिंग में अहम एजेंडा होगा।

पिछले बुधवार को करीब 2।5 लाख लोग स्टेडियम और उसके आसपास जमा हो गए थे ताकि अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की एक झलक देख सकें। इसी दौरान भगदड़ मच गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। बीसीसीआई ने माना है कि जश्न का आयोजन बेहतर तरीके से किया जा सकता था। अब इस पूरे मामले पर मीटिंग में औपचारिक चर्चा होगी। एक सूत्र ने बताया- आईपीएल के बाद विक्ट्री परेड को लेकर नियम बनाने की जरूरत पर बैठक में चर्चा की जाएगी।

बीसीसीआई की 28वीं एपेक्स काउंसिल मीटिंग में कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने जा रही है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली आगामी सीरीज के मैच कहां होंगे, इसे लेकर भी फैसला लिया जाएगा। इसके साथ ही,

अंडर-16 लड़कों और अंडर-15 लड़कियों के आयु-वर्ग क्रिकेट में गलत उम्र बताने की समस्या रोकने के लिए चल रहे कार्यक्रम की समीक्षा की जाएगी।

एक और अहम मुद्दा तेलंगाना में क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के गलत इस्तेमाल से जुड़ा है। अप्रैल 2025 में करीमनगर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष वी। अगम राव ने शिकायत की थी कि जिले में क्रिकेट के लिए मिले फंड का गलत उपयोग हुआ है। इस पर कार्रवाई करते हुए बीसीसीआईके लोकपाल जस्टिस अरुण मिश्रा ने एपेक्स काउंसिल से इस मामले पर जरूरी कदम उठाने को कहा था।

इसके अलावा मीटिंग में इन मुद्दों पर भी चर्चा होगी

- खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आचार संहिता
- बीसीसीआई कर्मचारियों के लिए टूर्नामेंट भत्ता नीति
- 2025-26 घरेलू सीजन की तैयारियों पर अपडेट
- अंपायर्स और मैच रेफरी कोचिंग से जुड़ी बातें

आस्ट्रेलिया ने सउदी को हराकर विश्व कप के लिये क्वालीफाई किया

मेलबर्न, एजेंसी

कोनोर मेटकाफे ने आस्ट्रेलिया के लिये पहला गोल किया और सउदी अरब पर 2 -1 से जीत के साथ टीम को लगातार छठी बार विश्व कप में जगह दिलवाने में सूत्रधार की भूमिका निभाई। मिचेल ड्यूक ने दूसरा गोल किया। आस्ट्रेलिया को विश्व कप में सीधे जगह बनाने के लिये पांच गोल के अंतर से हार टालनी थी । मेटकाफे ने हाफटाइम से ठीक पहले गोल दागा जबकि ड्यूक ने 48वें मिनट में हेडर लगाया। सउदी अरब के लिये 19वें मिनट में अब्दुल रहमान अल ओबुद ने गोल किया था । आस्ट्रेलिया के लिये सौवां मैच खेल रहे गोलकीपर मैट रियान ने पांच गोल बचाये जिनमें आखिरी क्षणों में मिली पेनल्टी भी थी । इससे पहले जापान ने इंडोनेशिया को 6-0 से मात देकर लगातार आठवीं बार विश्व कप में जगह बनाई । वहीं दक्षिण कोरिया ने कुवैत को 4-0 से हराकर लगातार 11वीं बार विश्व कप में प्रवेश किया । ओमान से 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद फलस्तीन दौड़ से बाहर हो गया । एशिया आस्ट्रेलिया से जापान, ईरान, दक्षिण कोरिया, उजबेकिस्तान, जोर्डन क्वालीफाई कर चुके हैं । एशिया से तीसरे चौथे स्थान पर रही छह टीमों में से दो और क्वालीफाई करेंगी और यह दौर अक्टूबर में खेला जायेगा । ये टीमें ओमान, कतर, ईराक, सउदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात हैं ।

ब्राजील ने 2026 फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई किया

पैराग्वे को 1-0 से हराया, पॉइंट टेबल में तीसरे स्थान पर पहुंची

साओ पाउलो, एजेंसी

ब्राजील ने पैराग्वे को 1-0 से हराकर 2026 फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। नए कोच कार्लो एंचेलोटी के नेतृत्व में यह टीम की पहली जीत थी। रियल मैड्रिड के स्टार विनीसियस जूनियर ने 44वें मिनट में गोल करके ब्राजील को टूर्नामेंट में जगह दिलाई। 2026 फीफा वर्ल्ड कप कनाडा, अमेरिका और मेक्सिको में आयोजित किया जाएगा।

मैथ्यूस कुन्हा के क्रॉस पर विनीसियस जूनियर ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई

मैथ्यूस कुन्हा के क्रॉस पर विनीसियस जूनियर ने गोल कर दिलाई बढ़त पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील को मैनचेस्टर यूनाइटेड के नए खिलाड़ी मैथ्यूस कुन्हा के क्रॉस पर विनीसियस जूनियर ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इससे पहले मैच के 35वें मिनट में कुन्हा गोल करने से चूक गए थे। पैराग्वे को क्वालीफाई करने के लिए एक अंक की जरूरत थी, जबकि ब्राजील को आगे बढ़ने के लिए जीत चाहिए थी। ब्राजील साउथ अमेरिकी स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर इस जीत के साथ ब्राजील साउथ अमेरिकी स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर है, जहां उन्होंने 16 मैचों में 25 अंक जुटाए हैं। वह टॉप-6 में रहकर वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेगी। वहीं, हार के बाद पैराग्वे 24 अंकों पर है।

इंग्लैंड दौरे पर श्रेयस की अनदेखी से भड़के गांगुली

चयनकर्ताओं को लताड़ा, कहा- उसे टीम में होना चाहिए था

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली का मानना है कि श्रेयस अय्यर को इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में चुना जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि वह अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, ऐसे में उन्हें मौका मिलना चाहिए। बता दें कि, भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से खेली जाएगी। आगामी सीरीज के लिए भारतीय टीम इंग्लैंड पहुंच चुकी है और जमकर अभ्यास कर रही है।

सौरव गांगुली ने एक इंटरव्यू में श्रेयस अय्यर की अनदेखी पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा- पिछले एक साल से वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखा रहे हैं और उन्हें इस टीम में होना चाहिए था। पिछला एक साल उनके लिए शानदार रहा है। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें टीम से बाहर रखा गया। वह अब दबाव में रन बना रहे हैं, जिम्मेदारी ले रहे हैं और शॉर्ट बॉल को अच्छी तरह खेल रहे हैं। हालांकि टेस्ट क्रिकेट अलग है, लेकिन मैं उन्हें इस सीरीज में शामिल करना चाहता था ताकि देख सकूं कि वह क्या कर सकते हैं।

पिछले साल इस प्रारूप में खेलते दिखे थे श्रेयस

आगामी सीरीज के लिए चुने गए 18 सदस्यीय स्क्वॉड में श्रेयस अय्यर को शामिल नहीं किया गया है। 30 वर्षीय बल्लेबाज ने अब तक भारत के लिए 14 टेस्ट मुकाबले खेले हैं। इनमें उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतकों की मदद से 811 रन बनाए। उन्हें आखिरी बार इस प्रारूप में इंग्लैंड के खिलाफ पिछले साल खेलते देखा गया था, जब टीम भारत दौरे पर आई थी।

रणजी और आईपीएल में चमके अय्यर

दाएं हाथ के बल्लेबाज ने रणजी ट्रॉफी 2024-25 में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने मुंबई के लिए सात पारियों में 68.57 की औसत से दो शतकों के साथ 480 रन बनाए थे। आईपीएल की बात करें तो उन्होंने पंजाब किंग्स का नेतृत्व करते हुए टीम को फाइनल में पहुंचाया था। हालांकि, वह टीम को जीत नहीं दिला सके। आरसीबी ने पंजाब को छह रन से हराकर फाइनल मुकाबला अपने नाम किया था और ट्रॉफी जीती थी। इस सीजन श्रेयस का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने 17 मैचों में 604 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से छह अर्धशतक निकले।

भारत जीतेगा सीरीज

इस दौरान गांगुली ने जसप्रीत बुमराह के फॉर्म पर भी बात की। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ बुमराह का प्रदर्शन भारत के लिए बहुत मायने रखेगा। उन्होंने आगे कहा- हमें बस दो चीजों की जरूरत है, अच्छी बल्लेबाजी और जसप्रीत बुमराह का फिट रहना। हमने ऑस्ट्रेलिया में, मेलबर्न (2020-21) में, युवा बल्लेबाजी लाइन-अप के साथ जीत हासिल की, जिसमें विराट कोहली या रोहित शर्मा नहीं थे। इसलिए मुझे नहीं लगता कि हम क्यों नहीं जीत सकते।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

छोटी हाइट की वजह से परेशान रहते थे आमिर खान, सताती थी करियर की चिंता

बॉलीवुड के मिस्टर पर्फैक्शनिस्ट आमिर खान अपनी फिल्म सितारे जमीन पर के प्रमोशन्स में बिजी चल रहे हैं। कुछ दिनों पहले बकरीद के मौके पर आमिर ने अपने घर पार्टी भी रखी थी, जिसमें फिल्म के सितारे और कई दिग्गत सेलेब्स शामिल हुए थे। इस दौरान का एक वीडियो कॉमेडियन कपिल शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर भी शेयर किया था।

बात करें फिल्म के ट्रेलर की तो इसमें आमिर खान की ऑनस्क्रीन मां उन्हें टिंगू के नाम से बुलाती नजर आ रही हैं। क्योंकि उनकी हाइट काफी कम है। एक बातचीत में आमिर ने पहली बार अपनी हाइट को लेकर बात की। एक्टर ने कहा कि जब वो बलीवुड में आए थे तो वो अपनी हाइट को लेकर काफी डरे हुए और नर्वस रहते थे। पर आज जब लोग उन्हें पर्दे पर टिंगू बुला रहे हैं तो वो इसे सुनकर कम्फर्टेबल हैं।

आमिर ने कहा- सच कहूं तो एक बार जावेद साहब ने ह्यूमर को लेकर एक बात कही थी कि एक अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर केवल खेल और मजे के लिए नहीं होता है। बल्कि ये तब अच्छा लगता है जब आप जिंदगी में किसी मुश्किल से गुजर रहे होते हैं। तो अगर आपका उस समय अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर निकलकर बाहर आता है तो उसके मजे लीजिए। ये आपके लिए शॉक को एब्जॉर्ब करने का काम करेगा। मुझे लगता है कि मेरे अंदर ये चीज शुरू से रही है। हालांकि, जब मैंने एक्टिंग में करियर शुरू किया था तो मैं अपनी कम हाइठ को लेकर थोड़ा डरा भी रहता था। शुरुआत में तो मैं बहुत डरा। अमिताभ बच्चन नंबर 1 थे और वो करीब 6 फीट लंबे थे। विनोद जी, शत्रुघ्न

मेट्रो बाजार

सरकार का बड़ा बदलाव फी यूपीआई सर्विस होगी खत्म

नई दिल्ली। डिजिटल पेमेंट को फ्री और आसान बनाने वाली यूपीआई व्यवस्था में अब बड़ा बदलाव होने वाला है। सरकार 3000 से अधिक के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर चार्ज लगाने पर विचार कर रही है। अब तक लाग 'जीरो एमडीआ' नीति को खत्म करने की योजना बनाई जा रही है, जिससे बैंकों और पेमेंट कंपनियों को बढ़ते खर्च की भरपाई का रास्ता मिल सके। छोटे ट्रांजैक्शन पहले की तरह फ्री रहेंगे, लेकिन बड़े व्यापारिक भुगतान पर शुल्क लगने की संभावना है। यह कदम यूपीआई इकोसिस्टम को टिकाऊ और भविष्य के लिए मजबूत बनाने की दिशा

में उठाया जा रहा है।

क्या हो सकता है बदलाव?- सूत्रों के अनुसार, सरकार 2020 से लागू जीरो एमडीआर पॉलिसी को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रस्ताव के अनुसार, 3,000 रुपये तक के यूपीआई ट्रांजैक्शन फ्री रहेंगे, लेकिन इससे ऊपर के लेनदेन पर 0.3 फसदी तक का चार्ज मर्चेंट्स से लिया जा सकता है। यह चार्ज सिर्फ उन्हीं व्यापारियों पर लागू होगा जिनकी सालाना कमाई अधिक है।

क्यों जरूरी हुआ यह कदम?- आज यूपीआई का हिस्सा भारत के कुल 80 फीसदी रिटेल डिजिटल ट्रांजैक्शन में हो चुका है। लेकिन बैंकों और पेमेंट कंपनियों को इसका कोई सीधा मुनाफा नहीं मिल रहा, क्योंकि जीरो एमडीआर नीति के तहत वे मर्चेंट से कोई फीस नहीं वसूल सकते।

रणबीर की 'रामायण' में सूर्पनखा की भूमिका के लिए प्रियंका थीं पहली पसंद

नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर पिछले कई दिनों से चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि, बीते दिनों फिल्म की स्टारकास्ट के फाइनल होने की खबरें आईं, जिसमें रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश और सनी देओल समेत एक भारी भरकम स्टारकास्ट नजर आ रही है। अब एक ऐसी जानकारी सामने आ रही है, जिसमें कहा जा रहा है कि प्रियंका चोपड़ा भी इस फिल्म का हिस्सा होने वाली थीं। मेकर्स ने प्रियंका से एक अहम किरदार के लिए संपर्क किया था। जानिए कौनसा था वो किरदार और क्यों अटक गई बात।

बिजी शेड्यूल के चलते प्रियंका नहीं हो सकीं फिल्म का हिस्सा- फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि इस एपिक माइथोलॉजी में मेकर्स अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा को भी लेना चाहते थे। इसके लिए मेकर्स ने प्रियंका से संपर्क भी किया था। जानकारी के मुताबिक, मेकर्स प्रियंका को सूर्पनखा के किरदार में कास्ट करना चाहते थे। जिसके लिए मेकर्स ने अभिनेत्री से अप्रोच किया था। मगर डेट्स के चलते प्रियंका इस किरदार को हां नहीं कह पाईं। नतीजा उनकी जगह रकुल प्रीत सिंह अब सूर्पनखा के रोल के लिए फाइनल की गई हैं।

फिल्म से जुड़े सूत्र ने आगे बताया कि प्रियंका के बाद अब रकुल प्रीत सिंह सूर्पनखा के किरदार के लिए चुनी गईं। वो इस रोल के लिए बिल्कुल फिट बैठ रही हैं। उन्होंने अपने किरदार के लिए काफी मेहनत भी की है।

रणबीर राम और यश निभाएंगे रावण की भूमिका

'रामायण' की बाकी कास्ट की बात करें तो फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम के रूप में नजर आएंगे, जबकि कन्नड़ स्टार यश खलनायक रावण की भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा साई पल्लवी अपनी पहली हिंदी फिल्म में सीता के रोल में दिखेंगी। जबकि अमिताभ बच्चन के जटायु की भूमिका निभाने की चर्चाएं हैं। वहीं जानकारी के मुताबिक, लारा दत्ता कैकेयी और काजल अग्रवाल मंदोदरी के किरदार में नजर आएंगी। 'रामायण' दो पार्ट में रिलीज होनी है। इसका पहला पार्ट साल 2026 में और दूसरा साल 2027 में आने की उम्मीद है।

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट ने बढ़ाई चिंता दुनिया की अर्थव्यवस्था संकट में

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष और वैश्विक व्यापार युद्ध के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहराता दबाव अब मंदी की आशंका को जन्म दे रहा है। विश्व बैंक ने हाल ही में अपनी जून 2025 की वैश्विक ग्रोथ रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि 2025 में दुनिया की आर्थिक वृद्धि दर घटकर सिर्फ 2.3 फीसदी रह सकती है, जो एक दशक में सबसे कमजोर स्तरों में से एक है। रिपोर्ट में भारत को लेकर संतोषजनक संकेत हैं। जहां दुनिया की अधिकांश अर्थव्यवस्थाएं सुस्त होती दिख रही हैं, वहीं भारत की जीडीपी ग्रोथ दर 2026-27 तक 6.5त्न रहने का अनुमान है हालांकि यह पहले के 6.7 फीसदी अनुमान से थोड़ा कम है। विश्व बैंक ने इसे वैश्विक चुनौतियों के बावजूद 'सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था' बताया है।

वैश्विक व्यापार पर चोट- अमेरिका समेत कई प्रमुख देशों द्वारा टैरिफ और ट्रेड प्रतिबंध बढ़ाए जाने से वैश्विक व्यापार प्रभावित हुआ है। इससे विकासशील देशों में आपूर्ति श्रृंखला और एक्सपोर्ट पर सीधा असर पड़ा है।

नीतिगत अनिश्चितता- ब्याज दरों और व्यापार नीतियों को लेकर अस्थिरता ने निवेशकों में भ्रम पैदा किया है, जिससे पूंजी प्रवाह पर असर पड़ा है।

महंगाई और ब्याज दरों का दबाव- केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने से मांग में गिरावट आई है, जो विकासशील देशों की रिकवरी को कमजोर बना रही है।

ऊर्जा और खाद्य संकट- रूस-यूक्रेन युद्ध से वैश्विक आपूर्ति बाधित हुई है, जिससे गरीब देशों में महंगाई और अस्थिरता बढ़ी है।

देशों पर कर्ज का बोझ- कई विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था भारी कर्ज के नीचे दबी है। विदेशी निवेश में गिरावट ने उनकी स्थिति और बिगाड़ दी है।

छावनी पठार इलाके में हुए हादसे में आठ लोग गंभीर

बाइक व जीप को टक्कर मारने के बाद तेज रफ्तार कंटेनर पलटा, एक युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित छावनी पठार इलाके में बुधवार रात तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित कंटेनर ने सड़क किनारे खड़ी जीप को चपेट में लेता हुआ निकल गया। जीप को चपेट में आने के बाद कंटेनर अनियंत्रित होकर सड़क पलट गया। इस हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि जबकि उसका साथी और जीप में सवार कुल आठ लोगों घायल हुए है। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सड़क पर कंटेनर पलटने और बिजली गुल होने के कारण पुलिस रातभर यातायात व्यवस्था सुधारने लगी रही है। थाना प्रभारी उमेश सिंह चौहान ने बताया कि छावनी पठार में रहने वाला मिथुन सिंह (21) बीती रात अपने दोस्त के साथ बाइक से कहीं जा रहा था। रात करीब आठ बजे तेज आंधी पानी के साथ इलाके की बिजली गुल हो गई थी। उसी समय रायसेन से भोपाल की तरफ जा रहे एक तेज रफ्तार कंटेनर ने मिथुन की बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक सवारों को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित हुआ कंटेनर सड़क किनारे खड़ी एक जीप में जाकर भिड़ गया, जिससे जीप में सवार करीब आठ लोगों को गंभीर चोट आई है। दरअसल, बैरसिया के ग्राम बवचिया में रहने वाला एक परिवार नर्मदा स्थान के लिए नर्मदापुरम गया था। जीप में पांच महिलाएं, पांच बच्चे और दो पुरुष सवार थे। वापस लौटते समय सभी लोग कंकाली मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे थे, लौटते उसी समय तेज आंधी और पानी आ गया, जिससे वह जीप को सड़क किनारे रोककर पानी रुकने का इंतजार कर रहे थे। भागने के चक्कर में पलटा कंटेनर बाइक सवार युवकों और जीप के टक्कर मारने के बाद कंटेनर के चालक ने अपने वाहन को लेकर भागने का प्रयास किया, लेकिन कंटेनर अनियंत्रित होकर पलट गया। उसके बाद चालक कंटेनर से निकलकर भाग निकला। इधर, हादसे में घायल हुए सभी लोगों को इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां कुछ देर बाद ही डॉक्टरों ने बाइक सवार मिथुन को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। रातभर परेशान होती रही पुलिस हादसे के दौरान आंधी-पानी के साथ इलाके में घुप्प अंधेरा छाया हुआ था। पुलिस ने घटना के बाद नेशनल हाइवे वालों को मदद के लिए फोन लगाया था, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। गुरुवार सुबह जब बात हुई तो एनएच वालों का कहना था कि उनका ठेका बदल गया है, इसलिए वह कोई मदद नहीं कर पाएंगे। दरअसल इस प्रकार के एक्सीडेंट होने पर एनएच की तरफ से एम्बुलेंस समेत अन्य जरूरी मदद उपलब्ध कराई जाती है। सड़क पर कंटेनर पलटने के कारण पुलिस रातभर यातायात व्यवस्था बनाने में जुटी रही।

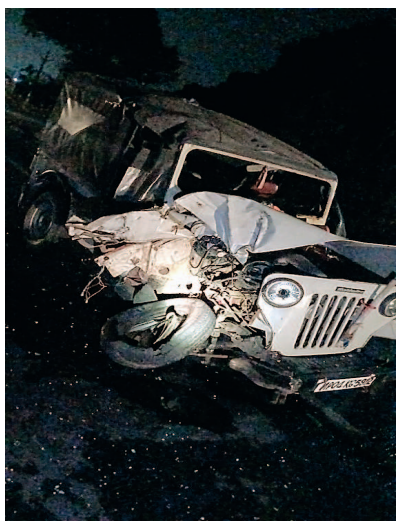

लोडिंग वाहन पलटने से ड्रायवर की मौत

बिलखिरिया थाना क्षेत्र में में बुधवार सुबह प्याज से भरा एक लोडिंग वाहन ट्रक से टकराने के बाद पलट गया। इस हादसे में घायल लोडिंग चालक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद प्याज फैल गई थी, जिसे कई राहगीर उठा ले गए। जानकारी के अनुसार बिलखिरिया निवासी रवि लोधी लोडिंग वाहन चलाता था। बुधवार की सुबह करीब ग्यारह बजे वह अपने लोडिंग में प्याज भरकर मंडी जाने के लिए निकला था। बिलखिरिया इलाके में एक ट्रक दूसरे ट्रक को टोचिंग करके ले जा रहा था। उस वक्त लोडिंग वाहन रॉग साइड चल रहा था। रवि ने सामने से आ रहे ट्रक को देख लिया था, लेकिन उसके पीछे टोचन करके चल रहे ट्रक पर उसकी नजर नहीं पड़ी। इसके चलते जैसे ही उसने आगे वाले ट्रक को क्रास किया, वैसे ही वह पीछे वाले ट्रक में जाकर भिड़ गया। ट्रक की टक्कर से उसका लोडिंग वाहन पलट गया और प्याज बिखर गया। राहीगरों से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची एम्बुलेंस ने रवि को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। इधर लोडिंग पलटने से बिखरी पड़ी प्याज को कई राहगीर भर ले गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार ने स्कूटी सवार लेडी डॉक्टर को मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित कोर्ट चौराहा पर कार ने स्कूटी सवार लेडी डॉक्टर को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से डॉक्टर स्कूटी सहित सड़क पर गिर गई। चलती स्कूटी से गिरने के कारण उन्हें चोट आई है। पुलिस ने डॉक्टर की शिकायत पर कार चालक पर तेजी और लापरवाही पूर्वक कार चलाकर एक्सीडेंट करने का मामला दर्ज किया है।
पुलिस के अनुसार डॉक्टर संध्या सिंह पति डॉक्टर सौरभ सिंह (40) पीसवैली, फेस-2 अयोध्या बायपास नरेला संकरी में रहती हैं। उन्होंने शिकायत करते हुए बताया कि वह जय प्रकाश अस्पताल में डाक्टर हैं। मंगलवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे वह अपनी स्कूटी क्रमांक से केंद्रीय विध्यालय

मैदा मील रोड से होते हुए जय प्रकाश अस्पताल ड्यूटी जा रही थी। भोपाल कोर्ट चौराहा पार करते समय एमपी नगर तरफ से आ रही कार के चालक ने कार को तेजी व लापरवाही पूर्वक चलाकर उनकी स्कूटी में बांई ओर टक्कर मार दी। जिससे वह स्कूटी सहित रोड पर गिर गई। इस हादसे में उन्हें कोहनी, बाएं हाथ की कलाई, बाएं पैर एवं घुटने में चोट आई है। टक्कर मारने वाला कार चालक कुछ समय रुका था। इसके बाद कार लेकर फरार हो गया। हादसे के समय डॉक्टर संध्या ने कार का नंबर देख लिया था। पुलिस ने कार नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश कर रही है।

कार की टक्कर से बाइक सवार मैकेनिक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र स्थित पिंटू का ढाबा कजलीखेड़ा में तेज रफ्तार ब्रेजा कार ने बाइक सवार मैकेनिक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उसे गंभीर चोट आई थी। उन्हें निजी

अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहां से परिजन उन्हें हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे थे। हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान बीती रात उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है।
पुलिस के अनुसार अशफाक अली पिता अथर अली (29) इनायतपुरा पंप हाउस के पास कोलार में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वे जिम ट्रेनर हैं। गत 8 जून की दोपहर करीब साड़े 12 बजे वह वह कजलीखेड़ा मेन रोड पर पिंटू के ढाबा पर खड़े थे। इस बीच उनके 40 साल के चाचा फारुख अली उर्फ मुन्ना मैकेनिक बाइक से अपने घर से दुकान जा रहे थे। वे पिंटू के ढाबा के सामने पहुंचे ही थे कि कोलार डेम की तरफ से आ रही ब्रेजा कार के चालक ने कार को तेजी व लापरवाही पूर्वक चलाकर चाचा की बाइक पर टक्कर मार दी। टक्कर लगने से चाचा बाइक समेत सड़क पर गिर गए। हादसे में उन्हें सिर, नाक और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट आईड्डथी। अशफाक अली उन्हें निजी अस्पताल लेकर पहुंचा, वहां से हमीदिया अस्पताल में भर्ती करा दिया। हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान बुधवार गुरुवार की दरमियानी रात उनकी मौत हो गई।

कार लेकर हुआ फरार

हादसे के बाद ब्रेजा कार वाला कुछ देर के लिए रुका और मौका मिलते ही कार लेकर फरार हो गया। हादसे के बाद वहां खड़े लोगों ने कार का नंबर नोट कर लिया था। पुलिस नंबर के आधार पर कार का पता लगा रही है।

एमआर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित रीगल होम्स में बुधवार दोपहर मेडिकल रीप्रेसेंटेटिव (एमआर) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनकी लाश पड़ोसियों ने फांसी के फंदे पर लटकी देख परिजन को सूचना दी थी। परिजन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया। उनकी पत्नी मायके से लौट आई है। पत्नी की मौजूदगी में गुरुवार को उनका पीएम कराया जाएगा। पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट नहीं मिला है। साथ ही परिजन के बयान नहीं होने से आत्महत्या की वजह का खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस ने बताया कि 44 साल के अंतिम सिंह, रीगल होम्स में पत्नी और दो बच्चों

के साथ रहते थे। वे दवा कंपनी में एमआर की नौकरी करते थे। बच्चों के स्कूल की छुट्टी होने के कारण उनकी पत्नी बच्चों को लेकर मायके चली गई। इधर घर पर अंतिम सिंह अकेले थे। उनके पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि बुधवार सुबह अंतिम सिंह घर के बाहर नजर आए थे। दोपहर करीब दो बजे उनकी नजर अंतिम सिंह के मकान पर पड़ी तो वह फांसी के फंदे पर लटके हुए थे।

चलती ट्रेन से गिरे यात्री की मौत मुंह के बल गिरने से थी गंभीर चोट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित आईपीएस स्कूल के सामने रेलवे ट्रेक पर एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवक चलती ट्रेन से मुंह के बल गिरा है। उसका चेहरा व सिर करीब 90 फीसदी क्षत-विक्षत हो गया है। हाथ-पैर भी टूट गए हैं। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। उसकी जेब से दिल्ली से बैगलुरु का जनरल टिकिट मिला है। मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक बुधवार सुबह करीब साड़े 11 बजे स्टेशन मास्टर से सूचना मिली कि आईपीएस स्कूल के सामने मिसरोद रेलवे लाइन पर करीब 40 साल के एक युवक का शव पड़ा है। उसका चेहरा पूरी तरह से क्षत-विक्षत हो गया है। पहचान में नहीं आ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और पंचनामा बनाकर शव को एम्स में रखवा दिया। पुलिस का कहना है कि मृतक हाफ पेंट पहने है। उसके पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज अथवा सामान नहीं मिला है,जिससे पहचान की जा सके। जेब से दिल्ली से बैंगलुरु का टिकिट मिला है। पुलिस अब बैंगलुरु पुलिस से संपर्क करने का प्रयास कर रही है। पुलिस का अनुमान है कि गर्मी अधिक होने की वजह से युवक जनरल कोच के पायदान पर आकर बैठ गया होगा। इस बीच नींद का झौंका आने से मुंह के बल गिर गया।

भूख-प्यास और गर्मी से बुजुर्ग की मौत

गोविंदपुरा पुलिस के मुताबिक बुधवार सुबह करीब पांच बजे चेतक ब्रिज स्थित बीचएचईल की रेलवे लाइन के पास नाले किनारे 45-50 साल के व्यक्ति का शव पड़ा होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा

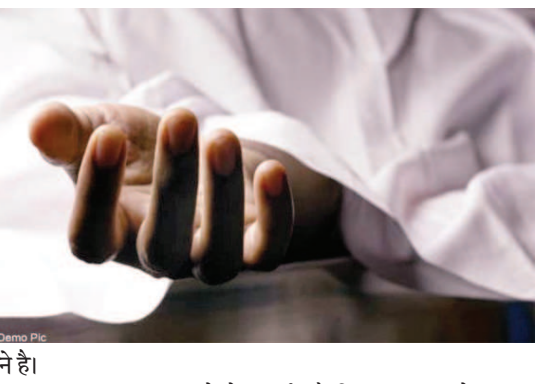

बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में रखवा दिया है। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। उसकी शिनाख्ती के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के लोगों ने पुलिस को बताया कि भिखारी टाइप का व्यक्ति चार-पांच दिन से इलाके में घूमता नजर आ रहा था। डॉक्टर ने अपनी राय देते हुए बताया है कि भूख-प्यासा और गर्मी के चलते मौत हुई है। मर्ग कायम कर लिया गया है।

विराषा हाइट्स में छत से गिरकर किशोरी की मौत

हादसा या आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र स्थित विराषा हाइट्स में छत से गिरकर 15 साल की किशोरी की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि शोकाकुल परिजन के बयान दर्ज होने के बाद ही पता चल सकेगा कि किशोरी के साथ हादसा हुआ है या फिर उसने आत्महत्या की है। पुलिस के अनुसार अंबिका सिंह पिता श्रीकांत सिंह (15) विराषा हाइट्स, कोलार में रहती थी। अंबिका स्कूली छात्रा थी। कल बुधवार रात करीब दस बजे बिल्डिंग से गिरने के कारण परिजन उसे चूनाभट्टी स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मेट्रो एंकर

नहीं मिला सुसाइड नोट, पिता आर्मी से हैं रिटायर्ड

मां की मौत से दुखी बेटी ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित जूनियर एमआईजी फेस फाइव में बुधवार दोपहर एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश भाभी ने दुपट्टे के फंदे पर पंखे पर लटकी देखी। सूचना पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस लाश पीएम के लिए भेज दी है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि एक महीने पहले उसकी मां की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। मां की मौत होने के बाद से वह डिप्रेशन में थी। एसआई सुदील देशमुख ने बताया कि भावना कुमारी पिता शंभूलाल पाल (26) मकान नंबर 221, जूनियर एमआईजी, अयोध्या नगर में रहती थी। भावना ने बीटेक के साथ बीएड की पड़ाई पूरी की थी। इसके अलावा एटेक की तैयारी कर रही थी। परिवार में पिता भाई और भाभी है। पिता आर्मी से रिटायर्ड है।

रिटायर्डमेंट के बाद वह प्राइवेट काम करते हैं। परिवार में भाई और भाभी साथ रहते हैं। बुधवार दोपहर भावना और उसकी भाभी घर पर थी, जबकि पिता और भाई सुबह ही काम पर चले गए। दोपहर करीब एक बजे के आसपास भाभी छत पर गेहूं लेने के लिए गई थी। वहां से तीस मिनट बाद नीचे लौटी तो भावना की लाश कमरे में दुपट्टे के सहारे पंखे पर लटकी देखी। उसने तत्काल घटना की जानकारी परिजन को दी।

अकेला नहीं छोड़ते थे परिजन

भावना के चाचा संतोष पाल ने पुलिस को बताया कि मां की मौत के बाद भावना डिप्रेशन में चली गई थी। वह गुमशुम रहने लगी थी। उसे डॉक्टर को दिखाया था। परिजन को चिंता थी कि वह दुखी होकर कोई आत्मघाती कदम उठा सकती है। लिहाजा कोई न कोई उसके साथ रहता था। बुधवार दोपहर कुछ ही देर के लिए उसे अकेला छोड़ा गया और उसने फांसी लगा ली।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **कार्यकारी संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022